राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

दिव्य दिनकर

एक निडर सच का दर्पण

रांची और पटना से एक साथ प्रकाशित

8

वर्ष 12 अकं :264 रांची (झारखंड) रविवार , 06 जुलाई 2025 पेज - 08 मूल्य: 2 RNI NO- JHAHIN/2013/54373

'हिंदी थोपना बर्दाश्त नहीं', भाषा विवाद पर बोले राज ठाकरे

एजेंसी

मुंबई । महाराष्ट्र में जारी भाषा विवाद के बीच उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे ने मराठी एकता पर मुंबई के वर्ली डोम में एक रैली को संबोधित किया। इस अवसर पर राज ठाकरे ने कहा, मैंने कहा था कि झगड़े से बड़ा महाराष्ट्र है। हम 20 साल बाद एक मंच पर आए हैं। हमारे लिए कोई राजनीतिक एजेंडा नहीं है। सिर्फ महाराष्ट्र और मराठी हमारे लिए एजेंडा है।राज ठाकरे ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि हम शांत हैं, इसका मतलब यह नहीं है कि हम किसी से डरते हैं। मुंबई को महाराष्ट्र से कोई भी अलग नहीं कर सकता। हिंदी अच्छी भाषा है, लेकिन इसे थोपा नहीं जा सकता है। हिंदी बोलने वाले महाराष्ट्र में रोजगार के लिए आते हैं। मनसे अध्यक्ष ने कहा, एक मंत्री मुझसे मिले और अपनी बात सुनाने को कहा। मैंने साफ कहा कि मैं सुनूंगा पर मानूंगा नहीं। मैंने उनसे सवाल किया कि उत्तर प्रदेश, बिहार और राजस्थान में तीसरी भाषा क्या होगी। ये सभी हिंदी भाषी राज्य हमसे पीछे हैं, हम उनसे आगे हैं, फिर हमें जबरन हिंदी क्यों सीखनी पड़े? तो यह अन्याय है। उन्होंने सवाल करते हुए कहा कि तीन भाषा का फॉर्मूला

कहां से आया? ये सिर्फ केंद्र सरकार से आया है। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में सब कुछ अंग्रेजी में है, किसी और राज्य में ऐसा नहीं है। सिर्फ महाराष्ट्र में ही ऐसा क्यों? जब महाराष्ट्र जागता है, तो दुनिया देखती है। मराठा शासन हिंदी भाषा से भी पुराना है। मेरे पिता और बाला साहेब ने भी इंग्लिश मीडियम स्कूल में पढ़ाई की थी। क्या आपने कभी उनके मराठी या महाराष्ट्र प्रेम पर सवाल उठाया? राज ठाकरे ने कहा कि हमारे बच्चे इंग्लिश मीडियम जाते हैं तो हमारी मराठी पर सवाल उठते हैं। लालकृष्ण आडवाणी मिशनरी स्कूल में पढ़े हैं तो क्या उनके हिंदुत्व पर सवाल उठाएं? हम हिंदी थोपना बर्दाश्त नहीं करेंगे। वे बस मुंबई को महाराष्ट्र से अलग करना चाहते हैं, यही उनका एजेंडा है। वे मुद्दे को भटकाने की कोशिश कर रहे हैं। अब वे यह मुद्दा उठा रहे हैं कि ठाकरे के बच्चे अंग्रेजी में पढ़े हैं। यह क्या बकवास है? कई भाजपा नेताओं ने अंग्रेजी माध्यम से पढ़ाई की है, लेकिन किसी को उनके हिंदुत्व पर संदेह है। उन्होंने कहा, दक्षिण में स्टालिन, कनिमोझी, जयललिता, नारा लोकेश और सूर्या, सभी ने अंग्रेजी में पढ़ाई की है। बालासाहेब और मेरे पिता श्रीकांत ठाकरे ने अंग्रेजी में पढ़ाई की है, लेकिन वे मातृभाषा मराठी के प्रति बहुत संवेदनशील थे। बालासाहेब ठाकरे ने अंग्रेजी माध्यम से पढ़ाई की, लेकिन उन्होंने मराठी भाषा से समझौता नहीं किया। किसी को भी मराठी को तिरछी नजर से नहीं देखना चाहिए।वहीं, उद्धव ठाकरे ने मंच पर आते ही कहा, राज ठाकरे ने बहुत कुछ बोल दिया, क्या मुझे कुछ बोलने की जरूरत है?

पिनाराई विजयन उपचार के लिए अमेरिका रवाना

एजेंसी

तिरुवनंतपुरम। केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन विशेष चिकित्सा उपचार के लिए सपत्नीक अमेरिका रवाना हो गये। श्री विजयन 10 दिनों के लिए वाया दुबई होते हुए आज तड़के तिरुवनंतपुरम हवाई अड्डे से रवाना हुए। वह डॉक्टर परामर्श और आगे के उपचार के लिए मिनेसोटा के रोचेस्टर में प्रसिद्ध मेयो क्लिनिक जा रहे हैं। इससे पहले उन्होंने वर्ष 2018, 2022 और 2023 में मायो क्लिनिक में उपचार कराया था। विदेश दौरों के दौरान मुख्यमंत्री आमतौर पर जिम्मेदारियां नहीं सौंपते हैं। वह आमतौर पर ऑनलाइन मंत्रिमंडल बैठक में भाग लेते हैं और आवश्यक आधिकारिक मामलों को भी देखते हैं। मुख्यमंत्री के साथ पत्नी टी कमला और निजी स्टाफ सदस्य वी एम सुनीश भी गए हैं। श्री विजयन ने हालांकि नीलांबुर उपचुनाव से पहले अमेरिका जाने की योजना बनाई थी, लेकिन चुनाव संबंधी प्रतिबद्धताओं के कारण उन्होंने यात्रा स्थगित कर दी गई थी। उनका यह दौरा ऐसे समय में हुआ है जब राज्य की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली व्यापक आलोचना और सार्वजनिक आक्रोश का सामना कर रही है। इस पृष्ठभूमि के बीच, हाल ही में कोट्टायम मेडिकल कॉलेज में एक इमारत के ढहने से एक महिला की मौत की घटना पर विवाद जारी है। मुख्यमंत्री ने मृतक बिंदु के परिवार से मुलाकात नहीं की। इसके विपरीत, ओमन चांडी फाउंडेशन (दिवंगत कांग्रेस मुख्यमंत्री के नाम पर) ने परिवार को उनके घर का निर्माण पूरा करने में मदद करने के लिए पांच लाख रुपये दिए हैं। श्री विजियन का प्रस्थान तिरुवनंतपुरम मेडिकल कॉलेज में यूरोलॉजी विभाग के प्रमुख डॉ. हैरिस चिरायक्कल की एक वायरल फेसबुक पोस्ट के बाद हुआ है, जिसमें अस्पताल में प्रणालीगत मुद्दों को उजागर किया गया था और राज्य के स्वास्थ्य ढांचे पर लोगों की चिंता बढ़ गई थी। इस बीच, कोट्टायम मेडिकल कॉलेज में दुखद मौत ने राजनीतिक तूफान आ गया। जिससे विपक्ष ने स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज के इस्तीफे की मांग करते हुए राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन आयोजित किए हैं।

बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए तीर्थयात्रियों का चौथा जत्था जम्मू से हुआ रवाना

जम्मू। श्री अमरनाथ यात्रा के 6979 तीर्थयात्रियों का चौथा जत्था बम बम भोले के जयकारों के बीच दक्षिण कश्मीर हिमालय में भगवती नगर स्थित यात्री निवास से बाबा बर्फानी की पवित्र गुफा मंदिर के लिए रवाना हुआ। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि तीर्थयात्री 312 वाहनों के बेड़े में जम्मू के आधार शिविर से रवाना हुए। उन्होंने कहा आज सुबह 6979 श्री अमरनाथ यात्रा तीर्थयात्रियों का चौथा जत्था कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच जम्मू बेस कैंप से कश्मीर में पवित्र गुफा मंदिर के लिए रवाना हुआ। उन्होंने बताया कि 312 वाहनों के बेड़े में 2753 तीर्थयात्री पहलगाम और 4226 तीर्थयात्री बालटाल के लिए रवाना हुए। इस बेड़े में हल्के वाहन और भारी वाहन शामिल हैं। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने जम्मू से यात्रा को हरी झंडी दिखाने के बाद से नये जत्थे के रवाना होने के साथ ही अब तक कुल 24,528 तीर्थयात्री जम्मू आधार शिविर से घाटी के लिए रवाना हो चुके हैं।

पुंछ में आतंकी ठिकाने का भंडाफोड़, हथगोले और गोला-बारूद बरामद

पुंछ। जम्मू-कश्मीर के सीमावर्ती जिले पुंछ के उपजिला सुरनकोट में आतंकवाद विरोधी अभियान के दौरान सुरक्षा बलों ने एक आतंकी ठिकाने का भंडाफोड कर हथगोले, गोला-बारूद समेत अन्य सामग्री बरामद की है। यह बरामदगी बेहरामगला के पास मरहा इलाके में की गई जहां पुलिस और सेना की संयुक्त टीम ने तलाशी अभियान के दौरान एक आतंकवादी ठिकाने का पता लगाया। अधिकारियों के मुताबिक आतंकी ठिकाने की तलाशी में तीन हथगोले, बीस गोलियां, वायर कटर, चाकू, चार्जिंग केबल और बैटरी जब्त की गई। तलाशी अभियान अभी भी जारी है।

आपकी प्रार्थनाओं का फल मिला, अभी 30 से 40 साल और जिऊंगा: दलाई लामा

धर्मशाला। तिब्बती धर्मगुरु दलाई लामा तेंजिन ग्यात्सो ने कहा की कई भविष्यवाणियों को देखते हुए, मुझे लगता है कि मुझ पर अवलोकितेश्वर का आशीर्वाद है। मैंने अब तक अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया है। मुझे उम्मीद है कि मैं अभी 30 से 40 साल और जीऊंगा। धर्मगुरु ने कहा कि आपकी प्रार्थनाओं का अब तक फल मिला है और आगे भी इसी तरह मिलता रहेगा। तिब्बती धर्मगुरु दलाई लामा ने यह बात उनके 90वें जन्मदिन से एक दिन पूर्व शनिवार को आयोजित प्रार्थना सभा को संबोधित करते हुए कही। दलाई लामा के 90वें जन्मदिवस को लेकर शनिवार से दो दिवसीय समारोह शुरू हो गया है। समारोह के पहले दिन शनिवार सुबह मैक्लोडगंज के मुख्य तिब्बती मंदिर चुगलाखांग में उनकी लंबी उम्र के लिए दो दिवसीय धार्मिक प्रार्थना सभा शुरू हुई। केंद्रीय तिब्बती प्रशासन सीटीए द्वारा धर्मगुरु दलाई लामा की लंबी उम्र के लिए इस प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया है। बौद्ध धर्मगुरु दलाई लामा ने कहा कि हालांकि हमने अपना देश खो दिया है और हम भारत में निर्वासन में रह रहे हैं, लेकिन यहीं मैं जीवों को काफी लाभ पंहुचाने में सक्षम रहा हूं। मैं जितना हो सके जीवों को लाभ पंहुचाने और उनकी सेवा करने का इरादा रखता हूं।

वैश्विक स्तर पर भारत की बड़ी सफलता

विश्व बैंक ने दुनिया के सर्वाधिक 'समतामूलक समाज' में किया शामिल

एजेंसी

नई दिल्ली । भारत न केवल विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, बल्कि आज यह सर्वाधिक समतामूलक समाजों में से एक भी है। विश्व बैंक के अनुसार, भारत का गिनी सूचकांक 25.5 है, जो इसे स्लोवाक गणराज्य, स्लोवेनिया और बेलारूस के बाद दुनिया का चौथा सबसे समतामूलक देश बनाता है। यह भारत जैसे बड़े और विविधता वाले देश के लिए एक उल्लेखनीय उपलब्धि है। यह दर्शाता है कि भारत की आर्थिक प्रगति का लाभ लोगों में समान रूप से पहुंच रहा है। इस सफलता के पीछे गरीबी को कम करने, वित्तीय पहुंच का विस्तार और कल्याण सहायता को सीधे उन लोगों तक पहुंचाने पर लगातार नीतिगत ध्यान केंद्रित करना है, जिन्हें इसकी सबसे अधिक आवश्यकता है। गिनी सूचकांक यह समझने का एक सरल तरीका है कि किसी देश में घरों या व्यक्तियों के

बीच आय, संपत्ति या उपभोग के वितरण में कितनी समानता है। इसका मूल्य 0 से 100 तक होता है। 0 स्कोर का अर्थ पूर्ण समानता है, यानी आय आदि समान रूप से सभी लोगों के बीच वितरित हो रही है। 100 स्कोर का अर्थ है कि एक ही व्यक्ति के पास पूरी आय, संपत्ति या उपभोग है और दूसरों के पास कुछ भी नहीं है, इसलिए पूर्ण असमानता है। गिनी इंडेक्स जितना अधिक होगा, देश उतना ही असमान होगा। विश्व बैंक के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, भारत का गिनी इंडेक्स 25.5 है। यह भारत को सापेक्ष रूप से दुनिया के सबसे समान देशों में से एक बनाता है। भारत का स्कोर चीन के 35.7 से बहुत कम है और अमेरिका से भी बहुत कम है, जो 41.8 पर है। यह हर जी7 और जी20 देश के भी प्रत्यक्षतः समान है, जिनमें से कई उन्नत अर्थव्यवस्थाएं मानी जाती हैं। भारत 'सामान्य से कम' असमानता श्रेणी में आता है, जिसमें गिनी स्कोर 25 से 30 के बीच है और यह 'कम असमानता' समूह में शामिल होने से थोड़ा ही दूर है, जिसमें स्लोवाक गणराज्य जैसे देश शामिल हैं, जिनका स्कोर 24.1 है, स्लोवेनिया 24.3 है और बेलारूस 24.4 है। इन तीनों के अलावा, भारत का स्कोर उन सभी 167 देशों से बेहतर है, जिनके लिए विश्व बैंक ने डेटा जारी किया है। वैश्विक स्तर पर, सिर्फ 30 देश सामान्य से कम' असमानता श्रेणी में आते हैं। इसमें अत्यधिक लोक कल्याण वाले अनेक यूरोपीय देश शामिल हैं। इनमें आइसलैंड, नॉर्वे, फिनलैंड और बेल्जियम शामिल हैं। इसमें पोलैंड जैसी बढ़ती अर्थव्यवस्थाएं और संयुक्त अरब अमीरात जैसे धनी देश भी शामिल हैं। भारत का अधिक समतामूलक समाज की ओर रुख पिछले कुछ वर्षों में इसके गिनी सूचकांक में परिलक्षित होता है। 2011 में यह सूचकांक 28.8 पर मापा गया था और 2022 में 25.5 पर पहुंच गया।

नीरव मोदी के भाई नेहल मोदी अमेरिका में गिरफ्तार

सीबीआई और ईडी के प्रत्यर्पण अनुरोध पर हुई कार्रवाई

एजेंसी

नई दिल्ली। भगोड़े हीरा व्यापारी नीरव मोदी के भाई नेहल मोदी को संयुक्त राज्य अमेरिका में गिरफ्तार कर लिया गया है। अधिकारियों के अनुसार, यह गिरफ्तारी भारत की केंद्रीय जांच ब्यूरो और प्रवर्तन निदेशालय द्वारा किए गए प्रत्यर्पण अनुरोध के आधार पर की गई है। नेहल मोदी पर पंजाब नेशनल बैंक घोटाले में सहयोग करने और मनी लॉन्ड्रिंग जैसे संगीन आर्थिक अपराधों में संलिप्त होने के आरोप हैं। भारतीय एजेंसियों द्वारा उसे पहले से ही वांछित अपराधी घोषित किया जा चुका है। नेहल मोदी के खिलाफ इंटरपोल रेड कॉर्नर नोटिस पहले ही जारी किया जा चुका था। भारत की तरफ से अमेरिका को नेहल के प्रत्यर्पण के लिए औपचारिक अनुरोध भेजा गया था, जिसके बाद अमेरिकी अधिकारियों ने कार्रवाई करते हुए उसे गिरफ्तार किया।

रेवंत रेड्डी बोले, 'इंदिरा गांधी की महानता समझाने के लिए कुछ को पीटना जरूरी'

'पूनावाला बोले- 'मानसिकता आपातकाल वाली'

एजेंसी

नई दिल्ली । भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के एक बयान को आधार बनाकर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि रेवंत रेड्डी ने साबित कर दिया है कि कांग्रेस 'मोहब्बत की दुकान' नहीं, बल्कि 'आपातकाल' की मानसिकता वाली पार्टी है। भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने न्यूज एजेंसी आईएएनएस से बात करते हुए कहा, ÷रेवंत रेड्डी ने आज एक बार फिर साबित किया है कि कांग्रेस 'मोहब्बत की दुकान' नहीं, बल्कि 'आपातकाल' की मानसिकता वाली पार्टी है। 50 साल बाद भी रेवंत रेड्डी का यह रवैया दिखाता है कि वह इंदिरा गांधी के सच्चे समर्थक हैं। उन्होंने जय संविधान रैली में धमकी दी कि जो लोग इंदिरा गांधी को नहीं समझते, उन्हें वे बुरी तरह से पीटेंगे। 50 साल पहले इंदिरा गांधी ने भी हमारे लोकतंत्र के साथ ऐसा ही करने की कोशिश की थी। आज भी कांग्रेस में वही आपातकाल की मानसिकता मौजूद है। उन्होंने आगे कहा, चाहे वह

तेलंगाना हो, कर्नाटक हो या हिमाचल प्रदेश, जहां मंत्री भी अफसरों को पीटते हैं और यह कांग्रेस पार्टी की आपातकाल वाली मानसिकता को दर्शाता है। यह सब इसलिए किया जा रहा है ताकि सच्चाई को दबाया जाए और लोगों को डराया जाए। तेलंगाना में कथित तौर पर 40 लोगों की हत्या राज्य प्रायोजित तरीके से हुई है। वहां जवाबदेही के बजाय, पत्रकारों को धमकाया जा रहा है, जैसा कि रेवंत रेड्डी पहले भी कर चुके हैं। उन्होंने जंगल की जमीन के लिए प्रदर्शन करने वाले लोगों को भी धमकाया है। यह दिखाता है कि कांग्रेस की आपातकाल वाली मानसिकता आज भी पूरी तरह जीवित है। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का जिक्र किया था। उन्होंने कहा था, ÷इंदिरा गांधी द्वारा शुरू की गई कल्याणकारी और विकास योजनाएं गरीबों के जीवन को रोशन कर रही हैं और यही कारण है कि हम अपनी कल्याणकारी योजनाओं का नाम इंदिरा गांधी के नाम पर रख रहे हैं। हैदराबाद में गरीबों को 5 रुपए में भोजन और यहां तक कि उन्हें नाश्ता उपलब्ध कराने के लिए हमने कैंटीन का नाम इंदिरा गांधी के नाम पर रखा है। इन मूर्ख लोगों ने इंदिरा गांधी के नाम पर कैंटीन का नाम रखे जाने के खिलाफ प्रदर्शन किया।

राजनीति में वैचारिक मतभेद हो सकते हैं, पर व्यक्तिगत आक्षेपों के लिए कोई स्थान नहीं-शेखावत

एजेंसी

जोधपुर। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के हाल के बयानों पर पलटवार करते हुए कहा है कि राजनीति में वैचारिक मतभेद हो सकते हैं, पर व्यक्तिगत आक्षेपों के लिए कोई स्थान नहीं होना चाहिए। श्री शेखावत यहां सर्किट हाउस में आयोजित प्रेस वार्ता में शेखावत ने कहा कि श्री गहलोत द्वारा इसी सर्किट हाउस में उनकी दिवंगत माता पर जो गंभीर आरोप लगाए थे, वे पूरी तरह निराधार और निंदनीय हैं। उन्होंने कहा कि अब श्री गहलोत ओछी राजनीति पर उतर आए हैं और मीडिया के जरिए उन्हें संदेश भेज रहे हैं। यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वह इस मुद्दे को केवल राजनीतिक नहीं बल्कि व्यक्तिगत सम्मान और परिवार की गरिमा से जुड़ा मामला मानते हैं।

श्री शेखावत ने कहा कि कांग्रेस द्वारा भाजपा सरकार पर संविधान से छेड़छाड़ के आरोप लगाना बिल्कुल भी शोभनीय नहीं है। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह द्वारा अल्पसंख्यकों को 'पहला अधिकार' देने की बात को कौन भूल सकता है। इसलिए पहले कांग्रेस को अपने गिरेबां में झांकना चाहिए, उसके बाद भाजपा पर कोई

आरोप लगाना चाहिए। श्री गहलोत द्वारा आपातकाल पर माफी मांगने से जुड़े सवाल पर भी श्री शेखावत ने पलटवार करते हुए कहा कि क्या जबरन नसबंदी के शिकार लोग उस अमानवीयता को भूल पाएंगे। क्या उनका कोई कसूर था। यह विषय क्षमा योग्य नहीं है। उन्होंने दो टूक कहा कि तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने केवल अपनी सत्ता बचाने के लिए लोकतंत्र का गला घोंटा। उन्होंने कहा कि लंबी गुलामी और लाखों स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान के बाद भारत को आजादी मिली। वैदिक काल से लेकर मध्यकाल तक इतिहास में देश की गौरवशाली परंपराओं के प्रमाण मिलते हैं। हमारा संविधान दुनिया का सबसे सजीव और प्रगतिशील संविधान है जो 1950 में लागू हुआ।

इसी के साथ नागरिकों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता भी प्राप्त हुई लेकिन देश पर थोपे गए आपातकाल के दौरान हजारों लोगों को जेल में डाल दिया गया। मीडिया पर घोषित और अघोषित प्रतिबंध लगाए गए। पत्रकारों को जेल भेजा गया और न्यायपालिका की स्वतंत्रता को भी दबा दिया गया। श्री शेखावत ने कहा कि आजादी के बाद के शासनकाल में हुए जनांदोलनों को नकारा नहीं जा सकता। वर्ष 1977 में जब जनता ने तानाशाही के खिलाफ आवाज उठाई, तब जाकर लोकतंत्र की पुनर्स्थापना हुई।

योगी सरकार की पहल, बौद्ध-सिख श्रद्धालुओं के लिए दो तीर्थ यात्रा योजनाएं होंगी शुरू

एजेंसी

लखनऊ । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बौद्ध और सिख श्रद्धालुओं की धार्मिक यात्राओं की आस पूरी करने के लिए एक बड़ा निर्णय लिया है। शनिवार को एक महत्वपूर्ण बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि तीर्थ यात्राएं भारतीय संस्कृति में आत्मिक उत्थान और सामाजिक समरसता का माध्यम रही हैं। ऐसे में राज्य सरकार का दायित्व है कि वह नागरिकों को उनकी आस्था से जुड़े स्थलों तक पहुंचने में सहायता प्रदान करे। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि बौद्ध श्रद्धालुओं की विशिष्ट तीर्थ यात्राओं हेतु 'बौद्ध तीर्थ दर्शन योजना' और सिख श्रद्धालुओं के लिए 'पंच तख्त यात्रा योजना' प्रारंभ की जाए। इन योजनाओं के माध्यम से श्रद्धालुओं

को आर्थिक सहयोग प्रदान किया जाएगा, जिससे वे अपनी आस्था के प्रमुख तीर्थस्थलों की यात्रा सुलभता से कर सकें। मुख्यमंत्री की मंशानुसार, बौद्ध तीर्थ दर्शन योजना का उद्देश्य प्रदेश के हिंदू और बौद्ध श्रद्धालुओं को देश के विभिन्न भागों में स्थित बौद्ध तीर्थ स्थलों की यात्रा पूरी कराना है। मुख्यमंत्री ने योजना के लाभार्थियों के चयन में बौद्ध भिक्षुओं को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। इसी प्रकार, पंच तख्त यात्रा योजना सिख श्रद्धालुओं के लिए होगी। इसके अंतर्गत प्रदेश के सिख श्रद्धालुओं को भारत के पांच पवित्र 'तख्त साहिब' स्थल की यात्रा कराई जाएगी। सिख पंथ के लिए पवित्र पंच तख्त स्थलों में श्री आनंदपुर साहिब, पंजाब, श्री अकाल तख्त साहिब, अमृतसर, पंजाब, श्री दमदमा साहिब, तलवंडी साबो, पंजाब, श्री तख्त सचखंड श्री हजूर साहिब, नांदेड़, महाराष्ट्र, श्री हरमंदिर जी साहिब (पटना साहिब), बिहार, शामिल हैं। प्रस्तावित दोनों ही योजनाओं में प्रति व्यक्ति न्यूनतम 10,000 रुपए की राशि अनुदान के रूप में प्रदान की जाएगी। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि दोनों योजनाओं के लिए आवेदन की प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन रखी जानी चाहिए।

ट्रंप के टैरिफ के सामने मोदी का झुकना तय : राहुल

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला करते हुए कहा है कि वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल जो भी दावे करें लेकिन यह तय है कि श्री मोदी दबाव में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ की शर्तों के सामने घुटने टेक देंगे। श्री गांधी ने सोशल मीडिया

प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा पीयूष गोयल चाहे जितनी चाहें छाती पीट लें, लेकिन मेरी बात पर ध्यान देना कि श्री मोदी ट्रम्प की टैरिफ डेडलाइन के आगे झुक जाएंगे। कांग्रेस नेता ने इसके साथ ही श्री गोयल के बयान पर छपी एक खबर की कतरन भी पोस्ट की है जिसमें वह दावा कर रहे हैं कि उनकी सरकार के लिए अमेरिका के साथ व्यापार वार्ता के दौरान यूएस टैरिफ की तय सीमा से ज्यादा महत्वपूर्ण भारत का हित है। श्री गांधी की यह प्रतिक्रिया वाणिज्य मंत्री के उस बयान पर आई है जिसमे श्री गोयल ने कहा है कि भारत ने कभी व्यापार समझौते या उसके किसी हिस्से पर समय की कोई बाध्यता या दबाव में चर्चा नहीं की है। हमे राष्ट्रीय हितों को सुनिश्चित कर ऐसा निष्पक्ष समझौता चाहिए जिसका सतत लाभ हमें मिलता रहे।

संभल सड़क हादसे में मृतकों की संख्या हुई आठ

एजेंसी

संभल। जिले के हरगोविंदपुर गांव में देरशाम को बारात निकलने के दौरान एक कार स्कूल की दीवार से टकरा गई थी। हादसे में दूल्हा समेत 5 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि अस्पताल में भर्ती कई लोगों की हालत गंभीर बनी थी। तीन अन्य लोगों ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया है। मृतकों की संख्या बढ़कर अब 8 हो गई है। पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्नोई ने बताया कि थाना जुनावई क्षेत्र के ग्राम हरगोविंदपुर में रहने वाले सुखराम के बेटे सूरज (19) की शादी थी। देरशाम बारात बंदायू में सिरसौल गांव जाने के लिए निकली। कार में सूरज की भाभी आशा (26), भतीजी (ऐश्वर्या), विष्णु (02) अन्य लोग सवार था। कई गाड़ियों के आगे

निकलने के बाद सूरज की गाड़ी चली, जिसमें दूल्हा समेत 10 लोग बैठे थे। गांव के कुछ ही दूर जनता इंटर कॉलेज की दीवार पर दूल्हे की तेज रफ्तार कार टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गयी और उसमें बैठे दुल्हा समेत 5 लोग की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी पर पुलिस पहुंची और राहत बचाव करते हुए 5 अन्य घायलों को अस्पताल पहुंचाया। इनमें कुछ की हालत नाजुक देख अलीगढ़ रेफर किया गया। घायलों को बाहर निकालने में पुलिस को क्रेन की मदद ली। इसी बीच सूचना पर पुलिस अधीक्षक, तहसीलदार, सीओ और सीएमओ समेत प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। घटना की जांच की गई। एसपी ने बताया कि दुर्घटना का कारण कार पर से चालक का नियंत्रण खोना है। मौके पर दूल्हा समेत 5 लोगों की मौत हो गई थी। अस्पताल में जिन तीन लोगों की मौत हुई उनकी पहचान दूल्हे की बहन मधु, चालक रवि और ग्रामीण सचिन के रूप में हुई है। जो घायल है उनको बेहतर इलाज मुहैया कराया जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

भारथी कॉलेज ऑफ एजुकेशन, कन्दरी, माण्डर, राँची के द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन

दिव्य दिनकर संवाददाता

मांडर - आज दिन शनिवार को भारथी कॉलेज ऑफ एजुकेशन, कन्दरी, माण्डर, राँची के एन.एस.एस. यूनिट द्वारा महाविद्यालय द्वारा गोद लिए हुए गाँव ह्लकरकराह्ल एवं आस-पास के क्षेत्रों में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें महाविद्यालय के बी॰एड॰ सत्र 2024-26 प्रथम वर्ष एवं डी.एल.एड के सभी छात्र-छात्राएँ,व्याख्यातागण एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारीगण सम्मिलित हुए। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पंचायत मुड़मा के मुखिया श्री बंधन उरांव थे।कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ॰ दिपाली पराशर एवं मुख्य अतिथि मुखिया श्री बंधन उरांव जी के द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम के माध्यम से लगभग 40-50 विभिन्न प्रकार के पौधे लगाए गए। वृक्षारोपण कार्यक्रम का शुभारंभ ग्राम कन्दरी के देवी मंडप में वृक्षारोपण कर-के किया गया, इसके साथ ही राजकीयकृत मध्य विद्यालय कन्दरी, मुड़मा पंचायत के मुखिया, ग्राम प्रधान करकरा, के साथ ही ग्रामीण- श्री सुरेश ठ-ाकुर, श्री आदित्य कुमार ठाकुर, सुखदेव उरांव, एतवा उरांव, कादीर अन्सा-री, फिरोज अंसारी आदि के यहाँ प्रमुख रूप से वृक्षारोपण किया गया। इस कार्यक्रम का नेतृत्व इस प्रशिक्षण महाविद्यालय के एन.एस.एस. कार्यक्रम पदाधिकारी श्री विवेक राज जायसवाल द्वारा किया गया। कार्यक्रम में महा-विद्यालय की प्राचार्या, सभी व्याख्यातागण, शिक्षकेत्तर कर्मचारीगण, छात्र-छात्राएँ , पंचायत के मुखिया, ग्राम प्रधान एवं ग्रामीण सक्रिय रूप से भाग लिए।

समाजसेविका प्रिया सिन्हा ने मनाया अपना प्रेरणादायक जन्मदिन

दिव्य दिनकर संवाददाता

राँची - प्रसिद्ध समाजसेवी एवं भाजपा नेत्री प्रिया सिन्हा ने मनाया अपना शानदार और प्रेरणादायक जन्मदिन। जन्मदिन के दिन सर्वप्रथम सुबह मे ईश्वर के रूप में अपने पिता के घर जाकर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया,उसके बाद कुछ मंदिरों में जाकर बाहर बैठे दरिद्र नारायण के बीच भोजन का वितरण,गौशाला में जाकर गौ माता को हरी सब्जी खिलाकर उनका आशीर्वाद लिया।इसके बाद रात्रि मे बेटी समीक्षा,पति विजय सिन्हा जी एवं गणमान्य लोगों की उपस्थिति मे केक काटकर खुशियां मनाई।मौके पर उपस्थित शहर की प्रसिद्ध गायक जोड़ी कुमार गहलोत एवं कविता होरो ने अपने गायन से सभी अतिथियों का भरपूर मनोरंजन किया वहीं अतिथियों के रूप में उपस्थित समाजसेवी गिरिजा शंकर पेड़ीवाल,भाजपा नेता रोहित शारदा,नम्रता सोनी, ज्योति सिन्हा,गायिका कंचन बाला,समाजसेवी पूनम बाला, प्रियंका जायसवाल,जितेंद्र बर्नवाल,पब्लिक न्यूज के प्रभात कुमार राजन आदि आदि ने उज्ज्वल भविष्य,लंबी उम्र की कामना करते हुए प्रिया सिन्हा को जन्म दिन की बधाई दिए।

राजकीयकृत प्राथमिक स्कूल मांडर से ताला तोड़कर चोरी

दिव्य दिनकर संवाददाता

मांडर -प्रखंड मुख्यालय परिसर में स्थित राजकीयकृत प्राथमिक स्कूल मांडर में शुक्रवार की रात को चोरी की घटना हुई. चोर विद्यालय के मध्यान्ह भोजन के स्टोर रूम के दरवाजे का ताला तोड़ वहां से दो भरा हुआ गैस सिलेंडर व तीन बोरा चावल चुरा ले गये. चोरी की सूचना मांडर थाना को दे दी गयी है. पुलिस मामले की जांच कर रही है !

कांग्रेस कार्यालय में संगठन सृजन के तहत सांगठनिक स्वरूप की समीक्षा बैठक आयोजित

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवघर जिला कांग्रेस सेवा दल की बैठक कांग्रेस कार्यालय में कार्यकारी जिलाध्यक्ष बासुकी पंडित की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में सेवा दल के झारखंड प्रदेश अध्यक्ष नवीन सिंह ने भाग लिया तथा विशेष रूप से कांग्रेस जिलाध्यक्ष प्रो उदय प्र-काश भी शामिल हुए। बैठक में संगठन सृजन तहत सांगठनिक स्वरूप का समीक्षा किया गया। तदुपरांत प्रदेश अध्यक्ष ने सेवा दल के संगठन विस्तार पर चर्चा करते हुए कहा कि पुरे देश में कांग्रेस का संगठन सृजन कार्यक्रम संचालित है। इस तहत कांग्रेस सेवादल के साथ सभी फ्रंटल ओर्गनाइजेशन का भी संगठन को सशक्त बनाने का काम चल रहा है। सेवा दल के संगठन को जिला में मजबूत करने के लिए प्रखंड से लेकर पंचायत तक सेवा दल का विस्तार करना है। यह कार्य निर्धारित समय पर पूरा करना है। जिलाध्यक्ष प्रो उदय प्रकाश ने कहा कि देवघर में सेवा दल का संगठन पूर्व से मजबूत है तथा इसे ओर भी मजबूत करना है। इसके लिए रणनीति के तहत का करें। बैठक में मुख्य रूप से प्रदेश सचिव अवधेश प्रजापति, जिला महासचिव-सह-प्रवक्ता दिनेश कुमार मंडल, सेवा दल के प्रदेश सचिव ओम प्रकाश यादव,कमल वर्मा,भोला सिंह,अमोद कुमार राव,विपुल पंडित, सत्यनारायण ठाकुर,मैनेजर सिंह,भागीरथ यादव,अर्जुन सिंह,उमेश यादव, वीरेंद्र सिंह, सुरेश पंडित,उमेश यादव,मनोज यादव,दिनेश दास, मनोज सोरेन,मुन्ना कुमार यादव, प्रेमलता देवी,राधा पाल,विभा देवी,एन एस यू आई नगर अध्यक्ष प्रियांशु कुमार,अटल मिश्रा, प्रियांशु सिंह,संतोष यादव, गोलू सिंह आदि मौजूद थे। आदि मौजूद थे।

पूर्व विधायक सौरभ नारायण सिंह सर गंगाराम हॉस्पिटल दिल्ली पहुंचकर शिबू सोरेन के स्वास्थ्य की ली जानकारी

झारखंड के विकास कार्यों को लेकर सौरभ नारायण सिंह और सीएम हेमंत सोरेन के बीच हुई चर्चा

हजारीबाग

हजारीबाग सदर के पूर्व विधायक और वरिष्ठ कांग्रेस नेता सौरभ नारायण सिंह ने दिल्ली स्थित सर गंगाराम अस्पताल में झारखंड के संरक्षक और झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक बाबा शिबू सोरेन से मुलाकात की। उन्होंने बाबा के स्वास्थ्य की स्थिति की जानकारी ली और उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की। इस दौरान सौरभ नारायण सिंह ने झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से भी मुलाकात की, जो अपने पिता बाबा शिबू सोरेन के साथ सर गंगाराम हॉस्पिटल दिल्ली में मौजूद थे। उन्होंने सीएम हेमंत सोरेन से बाबा के इलाज की विस्तृत जानकारी ली और कहा कि बाबा झारखंड की आत्मा हैं, उनका स्वस्थ रहना पूरे राज्य के लिए आवश्यक है। पूर्व विधायक ने कहा कि बाबा शिबू सोरेन झारखंड की राजनीति के एक स्तंभ हैं। उनके संघर्षों से यह राज्य बना है। मैं उनके शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूँ और इस कठिन समय में पूरे परिवार के साथ खड़ा हूँ। बता दें कि कुछ दिनों से बाबा शिबू सोरेन अस्वस्थ चल रहे हैं, जिसके बाद उन्हें बेहतर इलाज के लिए दिल्ली सर गंगाराम हॉस्पिटल दिल्ली में भर्ती कराया गया है। राज्य के विभिन्न हिस्सों से उनके समर्थक और शुभचिंतक उनके स्वास्थ्य को लेकर चिंतित हैं और लगातार उनके जल्द ठीक होने की प्रार्थना कर रहे हैं। सौरभ नारायण सिंह

की इस मुलाकात को राजनीतिक से ज्यादा सामाजिक और मानवीय जुड़ाव के रूप में देखा जा रहा है। दिल्ली स्थित सर गंगाराम हॉस्पिटल में झा-रखंड के संरक्षक बाबा शिबू सोरेन से मुलाकात के बाद पूर्व विधायक सौरभ नारायण सिंह और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के बीच राज्य के विकास कार्यों को लेकर महत्वपूर्ण चर्चा हुई। दोनों नेताओं ने झारखंड के भविष्य, जनता की जरूरतें और सरकार की प्राथमिकताओं पर आपसी विचार साझा किए। बातचीत के दौरान राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार, शैक्षणिक संस्थानों की मजबूती, सड़क और यातायात सुधार, तथा यु-वाओं को रोजगार से जोड़ने जैसे विषयों पर विशेष रूप से चर्चा हुई। सौरभ नारायण सिंह ने कहा कि झा-रखंड एक संभावनाओं से भरा राज्य है। सीएम हेमंत सोरेन ने इस अवसर पर राज्य में उनके द्वारा शुरू की गई योजनाओं और उनकी प्राथमिकताओं को साझा करते हुए कहा कि झारखंड की जनता का भरोसा हमारे लिए सबसे बड़ी ताकत है, और हम हर वर्ग के लिए काम कर रहे हैं। इस मुलाकात को झारखंड की राजनीति में एक सौहार्दपूर्ण संवाद और सहयोग की दिशा में सकारात्मक पहल माना जा रहा है। सौरभ नारायण सिंह ने यह भी कहा कि यदि सभी दल राज्य हित में साथ आएं तो झारखंड देश के अग्रणी राज्यों में गिना जा सकता है। उन्होंने बाबा शिबू सोरेन के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना के साथ झा-रखंड के सुनहरे भविष्य की उम्मीद भी जताई।

अंजुमन इस्लाहुल मुस्लिमीन की हुई बैठक लिए गए कई बड़े निर्णय

दिव्य दिनकर संवाददाता

चान्हो - चान्हो प्रखण्ड के बलसोकरा अंसारी मोहल्ला अंजुमन इस्लाहुल मुस्लिमीन की बैठक बीती रात 11 बजे तक चली बैठक के अध्यक्षता अंजुमन के सदर रहमतुल्लाह अंसारी ने किया। बैठक में मुख्य रूप से समाज में हो रही बु-राइयों के रोकथाम पर चर्चा की गई साथ ही समाज में शिक्षा की कमी को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। कमेटी ने मोहल्ला और समाज में नशा खोरी करने वालों के खिलाफ मुहिम चला कर कार्रवाई करने का फैसला लिया है। वही कमेटी के बुलाए गए बैठकों में जो लोग शामिल नहीं होते हैं उनके खिलाफ भी कड़ा निर्णय लिया गया है इसमें कहा गया है कि

कमेटी के द्वारा बुलाए गए बैठकों में जो लोग शामिल नहीं होते हैं उनके घरों के शादी ब्याह मरनी जिनि या किसी भी मामले पर कमेटी शामिल नहीं होगी।वहीं जो नशा महल्ले के लोग नशा कर रहे हैं उनके परिवार के मुखिया को बुलाकर सख्त वार्निंग दिया जाएगा फिर भी आगे वे व्यक्ति नशा करता हुआ पाया तो उसके प-रवार से सभी मामलों पर कमेटी दुरी बना लेगी। इस बैठक में मुख्य रूप से हाजी तफज्जुल अंसारी,मौलाना श-हजहां मेराजअंसारी, जमील अख्तर,हाफिज शमशुल हक, हाफिज अब्दुल माजिद, हाफिज रेयाज,समशाद अंसारी,हसीब अंसा-री,अब्दुल रशीद,मोहम्मद अजहर,इकबाल अंसारी,परवेज अंसारी,मंजूर अंसारी,जमील अंसा-री,समील्लाह अंसारी, अफसर अंसा-री सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

एक पेड़ मां के नाम 2.0 अभियान प्रकृति के साथ -साथ माँ के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने जैसा अवसर- जे.के.शर्मा

रिपोर्ट - अविनाश मंडल

पाकुड़:केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, नई दिल्ली एवम् पाकुड़ जिला शिक्षा पदाधिकारी द्वारा निर्देशित शनिवार को एक पेड़ माँ के नाम-2.0 अभियान एवं प्रोजेक्ट प्रकृति के तहत विद्यालय में संचालित इको क्लब के तत्वाधान में डी पी एस ,पाकुड़ में बड़े पैमाने पर पौधारोपण किया गया। एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत विद्यालय के निदेश-ाक अरुणेंद्र कुमार, प्रधानाचार्य जे.के.शर्मा शिक्षकगण एवं सभी विद्यार्थियों तथा उनके अभिभावक गण ने विद्यालय परिसर तथा अपने अपने आवास पर बढ़ - चढ़ कर पौधरोपण किया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य जे के शर्मा ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण हम सबकी समान रूप से जिम्मेदारी है. उन्होंने सभी से अपील की कि प्रत्येक व्यक्ति पौधारोपण करें और न केवल साथ ही बड़ा होने तक पौधे की देखभाल भी करें बल्कि अपने पाकुड़ को पौधारोपण में पूरे झारखंड में अग्रणी बनाएं। विद्यालय के निदेशक अरुणेंद्र कुमार ने भी पौधा रोपण किया और सबसे पौधा

लगाने की अपील की,साथ ही कहा कि पेड़ पौधों का हमारे जीवन में बहुत महत्व है. यह न सिर्फ हमें जीवनदायक ऑक्सीजन देता हैं, बल्कि कई प्रकार से हमें लाभ पहुंचाते हैं. ₹एक पेड़ मां के नामह्व अभियान हम सभी के लिए माँ के साथ -साथ प्रकृति के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने एवं अपना दायित्व निभाने का एक अवसर है।

सुनील खवाड़े देवघर ट्रॉफी सीजन वन का हुआ भव्य शुभारंभ

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

आईपीएल के तर्ज पे टेनिस बॉल में भी देवघर के इतिहास में पहली बार केकेएन स्टेडियम में शुरू हुआ ऐसा टूनार्मेंट । मुख्य अतिथि जिला खेल पदाधिकारी संतोष कुमार और डॉ सुनील खवाड़े द्वारा संयुक्त रूप से फीता काट कर किया गया इस टूनार्मेंट का शुभारंभ। विशिष्ट अतिथि में देवघर जिला हैंड बॉल संघ के चेयरमैन संजय मालवीय, ओलंपिक संघ के उपाध्यक्ष वीरेंद्र सिंह , डीएसए सचिव आशीष झा,देवघर जिला ओलंपिक संघ के कोषाध्यक्ष नवीन शर्मा,बजरंगी महथा,उपस्थित थे।इस टूनार्मेंट में टोटल छह टीम भाग ले रही है। इस प्रकार है पी वी आर पैंथर, कैलाश फाइटर, स्टाइलिश 11,मुकेश फ्लावर, मां मनसा ऑरेंज लायन, लिटिल पैर-ाडाइज 11 , यह टूनार्मेंट 5 जुलाई से 16 जुलाई 2025 तक चलेगा।इस-ाका ऑक्शन देवघर के उत्सव प्लेस में 29 जून को कराया गया था जिसमें सभी टीम ओर आईकॉन खिलाड़ी मौजूद थे आइकॉन की लिस्ट कुछ एक प्रकार है अंकित पांडेय, मनीष यादव, रंजीत यादव, संजीव झा, शालू मिश्रा, उज्जवल राय

इस ऑक्शन में सबसे महंगे खिलाड़ी विक्की सिंह (11000) की राशि में जिसको सर्वाधिक बोली लगाकर पी वी ए पैंथर ने अपने साथ जोड़ा है।। डॉक्टर सुनील खवाड़े ने कहा कि इस टूनार्मेंट को कराने का मकसद है टेनिस बॉल क्रिकेट जो अभी पूरे विश्व में एक स्थान ले रहा है , जैसे कि इंडियन स्ट्रीट प्रीमियर लीग (आईएसपीएल) और टेनिस बॉल क्रिकेट प्रीमियर लीग (टीबीसीपीएल), टेनिस बॉल का उपयोग करके आयोजित किए जाते हैं. वैसे हीं यहां के खिलाड़ियों को एक प्लेटफार्म देना ।ताकि वो भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन बड़े स्तर पे भी कर सके।।और इस टूनार्मेंट के अगले सत्र का घोषणा भी किया की अगला सीजन फरवरी में और भी भव्य तर-ीके से कराया जाएगा।। मुख्य अतिथि जिला खेल पदाधिकारी संतोष कुमार ने कहा कि पिछले 2 साल के कार्यकाल में देवघर एक ऐसा जिला है जहां खेल के आयोजन के लिए कभी सोचना नहीं पड़ता और ये सब देवघर जिला ओलंपिक संघ के अध्यक्ष डॉ सुनील खवाड़े और ड-ीएसए सचिव आशीष झा सहित संजय मालवीय बीरेंद्र सिंह,नवीन शर्मा उनके टीम के कारण संभव हो पाता है इस तरह का आयोजन ऐसे छोटे शहर में कराने के लिए आयोजकों का भी धन्यवाद दिया। इस टूनार्मेंट को अंकित स्पोर्ट्स के द्वारा आयोजित किया जा रहा है। आज का पहला मैच कैलाश फाइटर बनाम लिटिल पैराडाइज एलेवेन खेल गया जिसमें कैलाश फा-इटर टीम ने निर्धारित 10 ओवर में 119 रन 4 विकेट खोकर बनाया।।लक्ष्य का पीछा करते हुए लिटिल पैराडाइज एलेवेन टीम ने 8 विकेट खोकर लक्ष्य को पार कर लिए।इसमें अक्षय 15 बॉल 39 रन बनाया । दूसरा मुकेश फ्लावर और ऑरेंज लॉयन के बीच खेला गया जिसमें ऑरेंज लॉयन ने 10 ओवर में 6 विकेट खोकर 146 रन बनाए जवाब में मुकेश फ्लावर की टीम ने 7 विकेट खोकर 113रन बनाया और ऑरेंज लॉयन ने यह मैच 33 रन से जीता।। तीसरा मैच ढशफ पैंथर और स्टाइल एलेवेन के बीच खेल गया जिसमें pvr ने 105 रनों का टारगेट दिया जिसको स्टाइलिश 11 ने 108रन 3 विकेट के नुकसान पे आसानी से हासिल कर लिया।। टूनार्मेंट को सफल बनाने में अंकित स्पोर्ट्स के नीरज झा,पंकज वाजपेई, राजा लगे हुए हैं।

वन विभाग की टीम ने अवैध लकड़ी के तस्करी का किया पदार्फाश चालक सहित वाहन हिरासत में

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:हिरणपुर डांगापाड़ा चौक निकट वन कर्मियों ने शनिवार को लक-ड़ी से लदे एक ऑटो को पकड़ा। जिसमे 15 पीस चिरान किया हुआ महुआ वृक्ष की लकड़ी पाया गया। अवैध लकड़ी को वाहन में लोड कर डांगापाड़ा के रास्ते शहरग्राम ले जाया जा रहा था, जिसे मौके पर ही फोरेस्टर बबलू देहरी एवं वन विभाग की टीम के द्वारा धर दबोचा. मौके पर ही पकड़े गए चालक की पहचान श्याम साहा के रूप में हुई वाहन चालक श्याम के द्वारा लकड़ी को शहरग्राम निवासी रंजीत साहा के पास पहुँचना था।. इस सम्बंध में फोरेस्टर बबलू देहरी ने बताया कि लकड़ी अवैध रूप से ले जाया जा रहा था , जिसे जब्त किया गया है। वही चालक को भी हिरासत में लिया गया है। आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। लकड़ियों की अवैध तस्करी किसी भी हालात में चलने नही दी जाएगी। बहरहाल लकड़ियों की अवैध कारोबार बदस्तूर जारी है। वही जंगलो की भी कटाई की जा रही है। इस प्रति विभाग को सख्त रुख अपनाना आवश्यक है।

राम विलास पासवान की 79वीं जयंती पर भावभीनी श्रद्धांजलि व भव्य आयोजन

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवघर के बाबा होटल में लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के तत्वावधान में जन नेता, जन सेवक, समाज सुधारक एवं पद्मभूषण स्व. राम विलास पासवान की 79वीं जयंती बड़े ही श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता देवघर जिला अध्यक्ष कुमार सौरभ ने की। इस अवसर पर पार्टी कार्यकताओं, समाजसेवियों और गणमान्य नागि-रकों ने स्व. रामविलास पासवान के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। आशुतोष मिश्रा ने अपने संबोधन में स्व. राम विलास पासवान के सामाजिक न्याय, दलित उत्थान और कमजोर वर्गों के कल्याण हेतु किए गए कार्यों को याद करते हुए उन्हें भारतीय राजनीति का मसीहा बताया। वरिष्ठ नेता लाल मणि झा ने कहा कि रामविलास पासवान का जीवन समर्पण, सामाजिक समरसता, समानता और जनसेवा को समर्पित था। इस अवसर पर उपस्थित प्रमुख नेताओं में आशुतोष मिश्रा प्रदेश महासचिव, लाल मणि झा प्रदेश वरीय उपाध्यक्ष (युवा प्रकोष्ठ)सह संथाल परगना प्रभारी, टाईगर रमेश सिंह प्रदेश सचिव, विक्की कुमार मठपति जिला अध्यक्ष आई .टी. सेल, नगर अध्यक्ष राजीव ठाकुर सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं समर्थक शामिल रहे। सभी ने उनके विचारों को जन-जन तक पहुँचाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का संचालन संयोजक मंडल के सदस्यों द्वारा किया गया और अंत में सभी को सामूहिक रूप से जलपान कराया गया।

राष्ट्रीय जनता दल के 29 वां स्थापना दिवस देवघर जिला कमेटी ने बहुत धूमधाम से मनाया

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

आज, दिनांक 05 जुलाई 2025 को राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के 29वें स्थापना दिवस के अवसर पर देवघर जिला कमेटी एवं राजद परि-वार की ओर से एक भव्य समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह में मुख्य रूप से जिला अध्यक्ष डॉ. फनी भूषण यादव, सहित कई वरिष्ठ नेताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। समारोह में राष्ट्रीय जनता दल के गौर-वशाली इतिहास, सामाजिक न्याय और समता के लिए इसके संघर्ष को याद किया गया। नेताओं ने पार्टी के संस्थापक श्री लालू प्रसाद यादव के नेतृत्व में राजद के योगदान को रेखांकित करते हुए समाज के कमजोर वर्गों के उत्थान के लिए पार्टी की

प्रतिबद्धता को दोहराया। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष डॉ. फनी भूषण ने कहा, राष्ट्रीय जनता दल सामाजिक न्याय और समावेशी विकास का प्रतीक है। हम अपने सिद्धांतों के प्रति दृढ़ हैं और समाज के हर वर्ग को साथ लेकर चलने के लिए कटिबद्ध हैं। मीडिया प्रभारी प्रमोद यादव ने भी पार्टी कार्यकताओं से एकजुट होकर जनहित में कार्य करने का आह्वान किया। समारोह में उपस्थित सभी नेताओं और कार्यकताओं ने केक काटकर राजद के 29वें स्थापना दिवस को हर्षोल्लास के साथ मनाया। कार्यक्रम में पार्टी के कार्यकताओं और समर्थकों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया और भविष्य में पार्टी को और सशक्त बनाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर राष्ट्रीय जनता दल के वरिष्ठ नेता भूतनाथ यादव जमीर अंसारी प्रमोद यादव कांति सिंह शंकर यादव मनोरंजन यादव विनोद यादव लालमोहन मांझी नेहा सिंह रूपेश कुमार सिंह अजय कुमार प्रकाश यादव दिवाकर महथा विजय यादव राम लखन यादव कांति सिंह सुशीला देवी पार्वती देवी जयंत पटेल प्रकाश महथा सुनील महाथा शिवनारायण रामानी बलदेव यादव मनोज यादव सुशीला देवी सहित दल सेकड़ों नेताओं ने भाग लिए

संक्षिप्त समाचार

आंचलाधिकारी ने छह शराब दुकान कराया बंद

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवीपुर आंचलाधिकारी ने खोपलाल राम ने देवीपुर बाजार, शंकरपुर, बुढ़े बाजार, जमुआ, घसको स्थित छह देशी विदेशी शराब दुकान को जिला के आदेश अनुसार बंद कराया गया. जानकारी हो कि आदेशानुसार देवघर जिला अंतर्गत खुदरा उत्पाद दुकानें हैंडओवर और टैकओवर प्रारम्भ होने तक खुली रही और उसके बाद उक्त दुकानें नई व्यवस्था लागू होने तक और अगले आदेश तक पूर्णतः बंद कर दी गई है.

मृत महिला होम गार्ड के शव का एम्स में किया गया पोस्टमार्टम

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

एम्स अस्पताल देवघर में मृत महिला होम गार्ड निशा कुमारी के शव का एम्स में पोस्टमार्टम किया गया. मधुपुर थाना क्षेत्र के बड़ा शेखपुरा निवासी स्व. लाल बहादुर यादव की 26 वर्षीय पुत्री निशा कुमारी देवघर में भाड़े के रूम में रहकर होम गार्ड की ड्यूटी उपायुक्त कार्यालय में करती थी. उसके पेट में अचानक तीव्र दर्द होने लगा. आनन फानन में उसे एक निजी क्लिनिक ले गया. स्थिति गंभीर देखते हुए उसे वहां एम्स अस्पताल के इमर्जेंसी वार्ड में भर्ती कराया गया. जहां इलाज के दौरान उसकी मृत्यु हो गई थी. शव का पोस्टमार्टम कर उसके परिजनों को सौंप दिया. परिजनों में से उसकी बड़ी बहन, माता व मामा ने शव को पटना स्थित ननिहाल ले गया। वही जसीडीह स्थित होमगार्ड कार्यालय में मृत होम गार्ड को श्रद्धांजलि व नम आँखों से अंतिम विदाई दी गई. साथ ही उनके अंतिम दाह संस्कार के लिए 10 हजार का चेक माता जी को सौंपा गया. इसके साथ ही बताया कि 25 हजार का चेक जल्द दिया जाएगा. मौके पर प्रभाकर दूबे , किशोर कुमार, विनय कुमार राय, कृष्णानंद झा, संदीप कुमार सिंह, अजय कुमार यादव, शिवनंदन प्रसाद राय, रूपेश कुमार, प्रियंका कुमारी, नीरज यादव आदि उपस्थित थे.

सड़क दुर्घटना में 27 वर्षीय युवक की मौत

रिश्तेदार के यहां जा रहा था युवक चौपारण के चौरदाहा में हुई घटना

विकाश कुमार कान्हाचट्टी

राजपुर थाना क्षेत्र के लुटा गांव के एक युवक का सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। युवक का पहचान लुटा गांव निवासी राजदेव सिंह भोक्ता पिता मेघन सिंह भोक्ता के रूप में हुआ है। मिली जानकारी के अनुसार युवक अपने रिश्तेदार के यहां जा रहा था कि चौपारण के चौरदाहा में विपरीत दिशा से आ रहे ट्रैक्टर की चपेट में गया। जिससे युवक की मौत मौके पर ही हो गयी। जिसके बाद इस घटना के सूचना मिलने के बाद चौपारण पुलिस ने गाड़ी को बरामद करते हुए कागजी कार्रवाई के उपरांत शव को अंतरिक्षण के लिए भेज दिया। वही मृतक युवक का दो बच्चा है और पत्नी गर्भवती है। इधर मौत की खबर सुनने के बाद से ही गांव सहित क्षेत्र में सन्नाटा पसरा हुआ है।

मुहर्रम पर्व को लेकर थाना क्षेत्र में निकाला गया फ्लैग मार्च

मंडरो:

मिजाचौकी थाना क्षेत्र में मोहर्रम पर्व को लेकर शांति व्यवस्था बनाए रखने को लेकर मिजाचौकी थाना प्रभारी रूपेश कुमार यादव के नेतृत्व में पुलिस बल द्वारा फ्लैग मार्च निकाला गया । फ्लैग मार्च के जरिए शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखने का संदेश दिया गया। वही बोरियो में मुहर्रम पर्व को लेकर क्षेत्र में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से शनिवार को बोरियो बाजार में फ्लैग मार्च निकाला गया। इस फ्लैग मार्च का नेतृत्व बोरियो थाना प्रभारी पंकज वर्मा ने किया।पुलिस बल के जवानों के साथ निकाले गए इस मार्च के माध्यम से आमजन को सौहार्द्र, शांति और सुरक्षा का संदेश दिया गया। थाना प्रभारी ने लोगों से आपसी भाईचारा बनाए रखने और किसी भी तरह की अफवाह से बचने की अपील की। उन्होंने यह भी कहा कि पर्व के दौरान कानून व्यवस्था को लेकर पुलिस पूरी तरह सतर्क और मुस्तैद रहेगी।

मीडिया कॉनक्लेव में छाया खबरों की विश्वसनीयता और एआई का मुद्दा

देशभर से 17 शख्सियतों को मिला ताज रत्न इंटरनेशल अवॉर्ड

मीडिया पैनलिस्ट ने बेबाक जबाबों से जीता लोगो का दिल

मन्नते फाउंडेशन का जनपथ के पंचसितारा होटल ली मेरिडियन में हुआ आयोजन

नई दिल्ली,

मन्नते फाउंडेशन की ओर से जनपथ स्थित ली मेरिडियन होटल में मीडिया कॉनक्लेव और ताज रत्न इंटरनेशल अवार्ड समारोह का आयोजन किया गया। तीन सत्रों में आयोजित कार्यक्रम शुरूआत मुख्य अतिथि संस्था के मुख्य संरक्षक एवं वरिष्ठ उद्योगपति डॉ. विजय किशोर बंसल, विशिष्ट अतिथि प्रिंसिपल इनकम टैक्स कमिश्नर प्रथम अनुपमकान्त गर्ग, तपन ग्रुप के चेयरमैन सुरेशचन्द गर्ग, खेरागढ़ नगर पंचायत चेयरमैन सुधीर गर्ग, अध्यक्ष माधव फाउंडेशन चांदनी धवन, थाई बॉक्सिंग चेयरमैन आराधना सिंह सौलंकी, मधुकर चतुवेर्दी, कुलदीप ठाकुर, विनय चौधरी, निखिल सिंघल, अतुल तिवारी और डॉ. प्रीती तागड़े ने माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रवज्जलित कर किया। मीडिया कॉनक्लेव में पैनलिस्ट ने मीडिया की नैतिक जिम्मेदारी और वर्तमान में एआई की भूमिका विषय के विभिन्न पहलुओं पर अपने विचार रखे। चर्चा की शुरूआत इंडिया न्यूज एंकर/प्रोडूसर दीप्सी द्विवेदी ने कहा कि जिंदगी को प्रभावित करने वाली खबरे ब्रेकिंग न्यूज की दौड़ शामिल नहीं होनी चाहिए। समय आ गया है मीडिया को भी समाज में अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी भारत 24 न्यूज एंकर प्रिया सिन्हा ने कहा कि समय-समय पर पत्रकार सरकार से सवाल करता है और उसकी जिम्मेदारी भी है। इंडिया न्यूज एसोसिएट प्रोडूसर/एंकर अभिषेक पांडेय ने कहा कि एआई तकनीकी है भावनात्मक नहीं वो वही बताता है जो पहले से इंटरनेट पर किसी ने अपलोड किया हुआ है। पत्रकार को क्रॉस चेक

करके खुद पुष्टि करनी होगी। संसद टीवी सीनियर टीवी पत्रकार एवं न्यूज एंकर अमृता चौरसिया ने कहा कि टीआरपी की दौड़ में मीडिया की विश्वसनीयता पर सवाल उठते है, सही और गलत का फर्क.कम कर दिया है। गाँव की उभरती मीडिया दूरगामी क्षेत्रों में महत्वपूर्ण पहलू है। जी मीडिया एंकर/प्रोडूसर प्रेरणा मिश्रा ने कहा कि ये भ्रांति है कि एआई से पत्रकारिता को खतरा है, एआई पत्रकार की क्रिएटिविटी नहीं छीन सकता। पेनलिस्ट स्पीकर में पूजा सचदेवा (एंकर, नेटवर्क 18), अनुपमा मिश्रा (सीनियर न्यूज एंकर, सहारा समय), चारुल शर्मा (एंकर/प्रोडूसर, नेटवर्क 10) और हेमंत कुमार (एंकर, नेटवर्क 18) ने भी अपने विचार रखे।मुख्य संरक्षक डॉ. विजय किशोर बंसल ने कहा कि समाज में परिवर्तन लाने के क्रम में संस्था का ये बेहतर प्रयास है। संस्था का उद्देश्य समाज में अपने कार्यो से जागरूकता ला रहे लोगो को सम्मानित कर उन्हें प्रोत्साहित करना है। अध्यक्ष गौरव धवन ने कहा कि आठवें संस्करण में देश भर से चुने हुए 15 शख्शियतों को विभिन्न श्रेणियों में महामंडलेश्वर संस्थापक अध्यक्ष हरिदास पीठाधीश्वर आचार्य स्वामी राधाप्रसाद देव जू महाराज एवं महंत मोहिनी बिहारी शरण महाराज सहित कई एंबेसी से सम्मिलित हुए एम्बेस-ाडरों ने प्रदान किया। मंच संचालन साहिबा दयाल ने किया इस अवसर मोहित धवन, प्रशांत मित्तल, गौरव राजावत, चंद्रकांत गुप्ता, एड. रंजीत शर्मा, एड. नितिन वर्मा, डॉ. अंशुमन सिंह, दिव्या वर्मा, सपना सोनी, नसीम अहमद, जितेंद्र चावला, गौरव गुप्ता, कन्हैया शुक्ला, पवन सचदेव आदि की विशेष उपस्थिति रही। कला एवं साहित्य श्रेणी में पद्मश्री डॉ. सुनील जोगी (दिल्ली), शिक्षा के क्षेत्र में प्रफुल्ल पिल्लै (गोवा), चिकित्सा के क्षेत्र में डॉ. राशि गुप्ता (आगरा), उद्योग के क्षेत्र में शिविर जैन (आगरा), जय अग्रवाल (आगरा), महिला उघमी निष्ठा सिंह (आगरा), अंकित बंसल (मथुरा), अक्षत शर्मा (मुंबई), साईराम राधाकृष्णन (तमिलनाडु), सुमित सिंघल (दिल्ली), सुमंत यादव (आगरा), रतन सिंह सोलंकी (उदयपुर), गौरव दयाल (आगरा) और पत्र-ाकारिता के क्षेत्र विपलव कुमार जैन (उदयपुर), प्रदीप सरदाना (दिल्ली), सामाज सेवा के क्षेत्र में अमित मित्तल (दिल्ली), डॉ. गीत कोहली (दिल्ली) को ताज रत्न इंटरनेशनल अवार्ड 2025 से सम्मानित किया गया।

आनंदमार्गीय त्रिदिवसीय सेमिनार के दूसरे दिन का आयोजन

प्राण धर्म: मानव अस्तित्व की अनिवार्यता आनंद मार्ग का वैश्विक सन्देश

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवघर -त्रिदिवसीय सेमिनार एवं योग साधना शिविर के दूसरे दिन का शुभारम्भ प्रातःनगर कीर्तन के बाद पांचजन्य से हुआ।उसके बाद आसन एवं प्राणायाम किया गया।इसके बाद सेमिनार में उपस्थित साधकों को संबोधित करते हुए आचार्य रागानूँगानंद अवधूत ने प्राण धर्म विषय पर एक विचारोत्तेजक वक्तव्य जारी किया है, जिसमें मानव जीवन के सार, उसकी गरिमा और उसके सार्वभौमिक उद्देश्य पर गहन प्रकाश डाला गया है। इस वक्तव्य में स्पष्ट किया गया है कि किसी भी व्यक्ति, समाज या राष्ट्र की आत्मा उसके प्राण धर्म में निहित होती है – वह आंतरिक अनुशासन, जीवन-दृष्टिकोण और मूल्य जो मानव को पशुत्व से उठाकर दिव्यता की ओर ले जाते हैं।आनंद मार्ग के अनुसार, भारत की सभ्यता सदियों से एक आध्यात्मिक दृष्टिकोण पर आधारित रही है, जहाँ जीवन का प्रत्येक पहलू साधना का ही अंग माना गया। भारत का प्राचीन शिक्षातंत्र, सामाजिक व्यवस्था और सांस्कृतिक मूल्य उसी आध्यात्मिक जीवनदृष्टि से पोषित हुए जिसे प्राण धर्म कहा जा सकता है।इस वक्तव्य में यह भी बताया गया कि किस प्रकार विदेशी शासन चाहे वह मुगल हो, ब्रिटिश हो या पूंजीवादी शक्तियाँ भारत के प्राण धर्म को कमजोर करने का प्रयास करते रहे। ब्रिटिशों ने शिक्षा के माध्यम से एक ऐसा वर्ग खड़ा किया जो भारतीय होकर भी भारतीय न रहा। साम्यवाद ने भी, भौतिकवाद के नाम पर, मानव जीवन के आध्यात्मिक मूल्यों को नष्ट करने की कोशिश की। किंतु आनंद मार्ग इस विघटनकारी प्रक्रिया के विरुद्ध खड़ा है।आनंद मार्ग का सामाजिक-आर्थिक दर्शन, उसकी शिक्षा-नीति और आध्यात्मिक साधना प्रणाली, सभी इस बात के लिए समर्पित हैं कि प्रत्येक मानव अपने प्राण धर्म का पुनः अन्वेषण कर सके और उसे पूर्ण रूप से जी सके। आनंद मार्ग जीवन को माया नहीं मानता, बल्कि उसे एक सापेक्ष सत्य मानकर, उसकी समस्याओं के समाधान के लिए सक्रिय भागीदारी करता है।आज,जब दुनिया भौतिकता और मानसिक तनाव से ग्रसित है,आनंद मार्ग का यह संदेश समय की माँग बन गया है। मानव को उसकी आत्मचेतना से जोड़कर, उसकी आध्यात्मिक भूख को तृप्त करना ही सच्ची शिक्षा और सच्चा धर्म है।आनंद मार्ग विश्व के सभी देशों को उनके विशिष्ट राष्ट्रीय प्राण धर्म को सुरक्षित रखते हुए, एक सार्वभौमिक मानव धर्म की स्थापना के लिए आमंत्रित करता है।कार्यक्रम की सफलता के लिए भुक्ति प्रधान एवं भुक्ति कमिटी पुरी तरह से सक्रिय है।

आशाह्य इकाई के संबंध में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार रांची के निदेशानुसार प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश शेष नाथ सिंह के निर्देश पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार पाकुड़ सचिव रूपा बंदना किरो के अध्यक्षता में नालसा द्वारा संचालित जिला स्तर (आशा-जागरूकता, समर्थन, सहायता और कार्रवाई) मानक संचालन प्रक्रिया-बाल विवाह से मुक्ति की ओर अग्रसर, 2025, में गठित समिति के सदस्यों के साथ एक दिवसीय कार्यशाला/प्रशिक्षण पाकुड़ व्यवहार न्यायालय के कॉन्फेंस हॉल में किया गया। उक्त कार्यक्रम में सचिव रूपा बंदना किरो ने बताया कि इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य बाल विवाह से मुक्ति की ओर अग्रसर करना तथा बाल वि-वाह के बारे में जागरूकता बढ़ाना और इसके खिलाफ लड़ने के लिए सामुदायिक स्तर पर प्रयास करना है साथ ही बताया कि बाल विवाह अपराध को समाप्त करने के उद्देश्य से आशा यूनिट का गठन किया गया है। बाल विवाह जैसी सामाजिक प्रथा के विरूद्ध व्यापक जन-जागरूकता, समन्वित प्रयास तथा कानूनी प्रतिबद्धता विशेष जोर दिया गया।नालसा द्वारा जारी की गई मानक संचालन प्रक्रिया, बाल विवाह की रोकथाम के लिए एक प्रभावशाली करने तथा बाल विवाह को रोकने हेतु ग्रामीणों व शहरी क्षेत्रों में आशा यूनिट द्वारा शिविर आयोजित करके आमजनों तक जागरूकता फैलाने की आवश्यकता है।नालसा की आशा योजना एवं एसओपी प्रमुख बिन्दुओं पर विस्तृत चर्चा किया गया। इस प्रक्रिया में प्रशासनिक इकाई के द्वारा तहसील स्तर, गांवो में होने वाले बाल विवाह की सूचना ग्राम कोट-वारों के माध्यम से प्रधान, मुखिया , वार्ड सदस्य व ग्रामिणों, तथा आंगनबाड़ी कार्यकताओं से पता करने तथा स्कुल, कॉलेजों व अन्य शिक्षा संस्थानों में छात्र-छात्राओं को बाल विवाह के निवारण के संबंध विधिक जागरूकता शिविर आयोजित कर बाल विवाह को मुक्त करने के संबंध में चर्चा की गई। साथ ही बाल विवाह के दुष्परिणामों और कानूनी प्रतिबंधों के बारे में जागरूकता फैलाने को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दी गई ताकि बाल विवाह मुक्त गांव हो सके इस दौरान कानूनी सेवा , पुनर्वास एवं जागरूकता के कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की गई। नारी के उड़ान बंदिशों से आजादी तक को लेकर कहा गया कि महिलाओं को समाज में शिक्षा, रोजगार और उद्यमिता के अवसर प्राप्त करना है।महिलाओं को अक्सर सामाजिक मानदंडों, रूढ़िवादी विचारों और भेदभाव का सामना करना पड़ता है। रूबंदिशों से आजादीरू का अर्थ है इन सामाजिक बाधाओं को तोड़ना और महिलाओं को समान अवसर प्रदान करना।महिलाओं को अपनी व्यक्तिगत स्वतंत्रता का एहसास करना और अपनी शर्तों पर जीवन जीने का अधिकार होना।महिलाओं के अधिकारों, समानता और सशक्तिकरण के लिए जागरूकता पर प्रकाश डाला गया। उक्त कार्यक्रम में डीएसपी जितेंद्र कुमार, एसडीपीओ डी एन आजाद, लीगल एड डिफेंस काउंसिल सिस्टम के चीफ सुबोध कुमार दफादर, पैनल अधिवक्ता समीर कुमार मिश्रा, बाल संरक्षण इकाई पदाधिकारी व्यास ठाकुर, मुख्य जिला चिकित्सक अधिकारी डॉ मनीष कुमार, जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिले के प्रखंड विकास पदाधिकारी, आंगनव-ाड़ी सेविका पैरा लीगल वॉलिंटियर्स समेत आशा इकाई के सभी सदस्य उपस्थित रहे।

टाटानगर रेलवे सिविल डिफेंस के जवान कल्याण कुमार साहू ने राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सम्मान अर्जित किया

एनडीआरएफ नागपुर में 'बाढ़ एवं चक्रवात प्रतिक्रिया कोर्स' में देशभर के 32 प्रतिभागियों में हासिल किया द्वितीय स्थान, टाटानगर रेलवे सिविल डिफेंस की शान बढ़ाई

टाटानगर,।

टाटानगर रेलवे सिविल डिफेंस के बहादुर जवान कल्याण कुमार साहू ने एक बार फिर साबित कर दिया कि समर्पण, साहस और सेवा की भावना से असंभव को भी संभव किया जा सकता है। नागपुर स्थित राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (NDRF) अकादमी द्वारा आयोजित 'बाढ़ एवं चक्रवात प्रतिक्रिया कोर्स' में उन्होंने देशभर से आए 32 प्रतिभागियों के बीच द्वितीय स्थान प्राप्त कर टाटानगर रेलवे सिविल डिफेंस का नाम गर्व से रोशन किया। यह पांच सप्ताह का विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम भारत के विभिन्न राज्यों से चयनित होमगार्ड्स, (SDRF), सिविल डिफेंस और रेलवे सुरक्षा बलों के कर्मियों के लिए आयोजित किया गया था। इस दौरान प्रतिभागियों को बाढ़ और चक्रवात जैसी प्राकृतिक आपदाओं के दौरान जान-माल की रक्षा के लिए अत्याधुनिक रेस्क्यू तकनीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। इसमें जलमग्न इमारतों से बचाव

कार्य, त्वरित प्रतिक्रिया दल की भूमिका, और पी-ड़ितों को सुरक्षित निकालने की रणनीतियाँ प्रमुख रहीं। कोर्स के समापन पर आयोजित लिखित, प्रायोगिक और मौखिक मूल्यांकन में कल्याण कुमार साहू ने शानदार प्रदर्शन कर सेकंड पोजीशन हासिल की। उनकी इस उत्कृष्ट उपलब्धि पर एनडीआरएफ के डीआईजी डॉ. हरि ओम गांधी ने उन्हें प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर टाटानगर सिविल डिफेंस इंस्पेक्टर श्री संतोष कुमार ने कल्याण को बधाई देते हुए कहा, कल्याण साहू जैसे समर्पित और प्रशिक्षित जवान ही आपदा की घड़ी में समाज की रक्षा की पहली पंक्ति बनते हैं। हमें उन पर गर्व है। आने वाले समय में और भी जवानों को इस प्र-कार के कोर्स में भेजा जाएगा, जिससे हमारी टीम और अधिक सशक्त हो सके।यह सफलता न केवल कल्याण कुमार साहू की कठिन मेहनत और अनुशासन का परिणाम है, बल्कि यह टाटानगर रेलवे सिविल डिफेंस की उत्कृष्ट प्रशिक्षण व्यवस्था और सेवा भाव की भी पुष्टि करता है। ऐसे जवान हमारे समाज की रीढ़ हैं, जो हर संकट में 'सेवा ही धर्म' के मूलमंत्र पर कार्य करते हैं।

साहिबगंज महाविद्यालय के प्राचार्य ने प्रतिभागियों को प्राचार्य कक्ष में किया सम्मानित

साहिबगंज:

सिद्धू कानू मुर्मू विश्वविद्यालय दुमका द्वारा आयोजित हूल दिवस कार्यक्रम में जोविभिन्न प्रकार के प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया था जिसमें साहिबगंज महा-विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम पदाधिका-री सह जिला नोडल पदाधिकारी प्रोफेसर कुमार प्रशांत भारती के नेतृत्व में बढ़ चलकर हिस्सा लिया इस प्रतियोगिता में आदर्श कुमार यूजी सेमेस्टर 2 भौतिक शास्त्र विज्ञान विभाग के छात्र को भाषण प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान यूजी सेमेस्टर 4 राजनीति विज्ञान विभाग की छात्रा गिन्नी आहूजा को एकल नृत्य में द्वितीय स्थान यूजी सेमेस्टर 4 इतिहास विभाग की छात्रा अंकिता कुमारी को रंगोली प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान तथा सामूहिक गीत में साहिबगंज महा-विद्यालय की छात्राओं को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ । महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर प्रोफेसर एस आर आई रिजवी ने उनके इस उत्कृष्ट प्रदर्शन पर अपने प्राचार्य कक्ष में उन्हें सम्मानित किया तथा यह कहा कि उनका प्रदर्शन महा-विद्यालय के लिए गौरव का क्षण लेकर आया है।

धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत प्रशासन गांव पहुंच कर लोगों को दे रहे लाभ

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत जिले के विभिन्न पंचायतों में राजस्व, चिकित्सा शिविर, मनरेगा जॉब कार्ड, डिमांड शिविर, आधार शिविर, पेंशन, आय, जाति, निवास प्रमाण पत्र, पीएम किसान योजना सहित अन्य विभागों का शिविर लगाया गया। पाकुड़ प्र-खंड के कोलाजोड़ा पंचायत में, हिरणपुर प्रखंड के धोवाडांगा पंचायत के पाडेरकोला धुमकुड़िया भवन में, लिट्टीपाड़ा प्रखंड के सोनाधनी पंचायत में, पाकुड़िया प्रखंड के फुलझिंझरी एवं गणपुरा पंचायत में, महेशपुर प्रखंड के श्रीरामपुर पंचायत एवं पथरिया पंचायत में एवं अमड़ापाड़ा प्रखंड के सिंगारसी पंचायत में राजस्व शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में सभी तरह की योजना लाभ से लाभान्वित करने का कार्य किया जा रहा है। सरकार के निर्देश पर प्रशासन के इस तरह के आयोजन से ग्रामीण खुश हैं क्योंकि उन्हें उनके गांव में शिविर लगाकर योजना लाभ से आच्छादित किया जा रहा है। लोग स्वास्थ्य जांच में भी बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं।

हरिहरपुर थाना पुलिस द्वारा मोहर्रम पर्व को लेकर गोमो में निकाला गया फ्लैग मार्च

गोमो।

हरिहरपुर थाना पुलिस द्वारा गोमो तथा आसपास के इलाकों में मोहर्रम पर्व को लेकर फ्लैग मार्च निकाला गया। फ्लैग मार्च पुरानी बाजार चमड़ा गोदाम रेलवे मार्केट लोको बाजार लालूडीह सहित कई क्षेत्रों में निकाला गया। इस दौरान हरिहरपुर थाना प्रभारी राहुल कुमार झा एवं अंचल अधिकारी संजय कुमार सिंह ने सभी से मिलकर शांति से मोहर्रम का त्योहार मानने की अपील किए। साथ ही उन्होंने अखाड़ा कमिटी में मेंबरों से कहा कि आप लोग सरकार द्वारा दी गई गाइड लाइन का पालन करते हुए पर्व को शांति से मनाएं। डीजे को किसी भी हाल में नहीं बजाना है। स्पीड चला रहे बाइकर्स एवं नशेड़ियों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा। फ्लैग मार्च में दर्जनों पुलिस के जवान मौजूद थे।

वोटर सूची संशोधन संबंधी सवालों का शीघ्र हो समाधान

>> विचार

"मतदाता सूचियों को संशोधित करने का विचार नया नहीं है। वास्तव में, 2003 की कवायद के तुरंत बाद चुनाव आयोग ने कई पूवीत्तर राज्यों और जम्मू एवं कश्मीर में बड़े पैमाने पर गहन संशोधन प्रक्रिया चलाई थी। हालांकि, तब इन संशोधनों को चुनावों से ऐन पहले नहीं करवाया गया था, न ही चुनिंदा मतदाता समूहों के लिए अतिरिक्त दस्तावेज़ों की आवश्यकता थी। इससे पहले भी, बिहार सहित 20 अन्य राज्यों में चरणबद्ध तरीके से इसी किस्म की कवायद हुई थी। एसआईआर मतदाता पंजीकरण प्रक्रिया का आधारभूत अवयव हैं झ विशेषतया बड़े पैमाने पर हुई कवायदों में जैसे परिसीमन, किसी क्षेत्र में उथल-पुथल उपरांत शांतिकाल या डिजिटलीकरण।

एसवाई कुरैशी

जब भारत के चुनाव आयोग ने बिहार विधानसभा चुनाव से ऐन कुछ महीने पहले मतदाता सूचियों में विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) किए जाने की घोषणा कर दी, तो इससे राजनीतिक हलकों में कई तरह की आशंकाएं पैदा हो गई। हालांकि चुनाव आयोग इस कवायद का बचाव संवैधानिक अनिवार्यता बताकर कर रहा है। संविधान के अनुच्छेद 326 में यह जरूरी है कि केवल 18 वर्ष या उससे अधिक आयु के भारतीय नागरिक ही मतदान के हकदार हैं। आयोग के मुताबिक, वर्तमान संशोधन का उद्देश्य सूचियों में सुधार करके यह प्रावधान यकीनी बनाना है। इस विशेष गहन संशोधन प्रक्रिया के तहत 2003 की मतदाता सूचियों में जिनका नाम शामिल था, उन्हें सत्यापित मतदाता माना जाएगा। अतीत में भी चुनाव आयोग उन जगहों पर गहन संशोधन करने का आदेश देता आया है, जहां उसे मतदान सूची की विश्वसनीयता संदिग्ध या पुरानी लगे। हालांकि, जिन लोगों का नाम 2003 के बाद मतदाता सूची में शामिल हुआ है या जिन्होंने नाम कभी शामिल नहीं कराया- उन्हें अब नागरिकता की स्व-घोषणा और अन्य सहायक दस्तावेज जैसे जन्म प्रमाणपत्र या माता-पिता का प्रमाणपत्र जमा कराना होगा। इसके पीछे घोषित इरादा चुनावी डेटाबेस अपडेट व शुद्ध करना है। लेकिन, ईमानदार दिखने वाली अनेक अन्य प्रक्रियाओं की तरह यहां भी छिपी चतुराई विवरण में स्पष्ट हो जाती है।

मतदाता सूचियों को संशोधित करने का विचार नया नहीं है। वास्तव में, 2003 की कवायद के तुरंत बाद चुनाव आयोग ने कई पूवीत्तर राज्यों और जम्मू एवं कश्मीर में बड़े पैमाने पर गहन संशोधन प्रक्रिया चलाई थी। हालांकि, तब इन संशोधनों को चुनावों से ऐन पहले नहीं करवाया गया था, न ही चुनिंदा मतदाता समूहों के लिए अतिरिक्त दस्तावेज़ों की आवश्यकता थी। इससे पहले भी, बिहार सहित 20 अन्य राज्यों में चरणबद्ध तरीके से इसी किस्म की कवायद हुई थी। एसआईआर मतदाता पंजीकरण प्रक्रिया का आधारभूत अवयव हैं झ विशेषतया बड़े पैमाने पर हुई कवायदों में जैसे परिसीमन, किसी क्षेत्र में उथल-पुथल उपरांत शांतिकाल या डिजिटलीकरण।

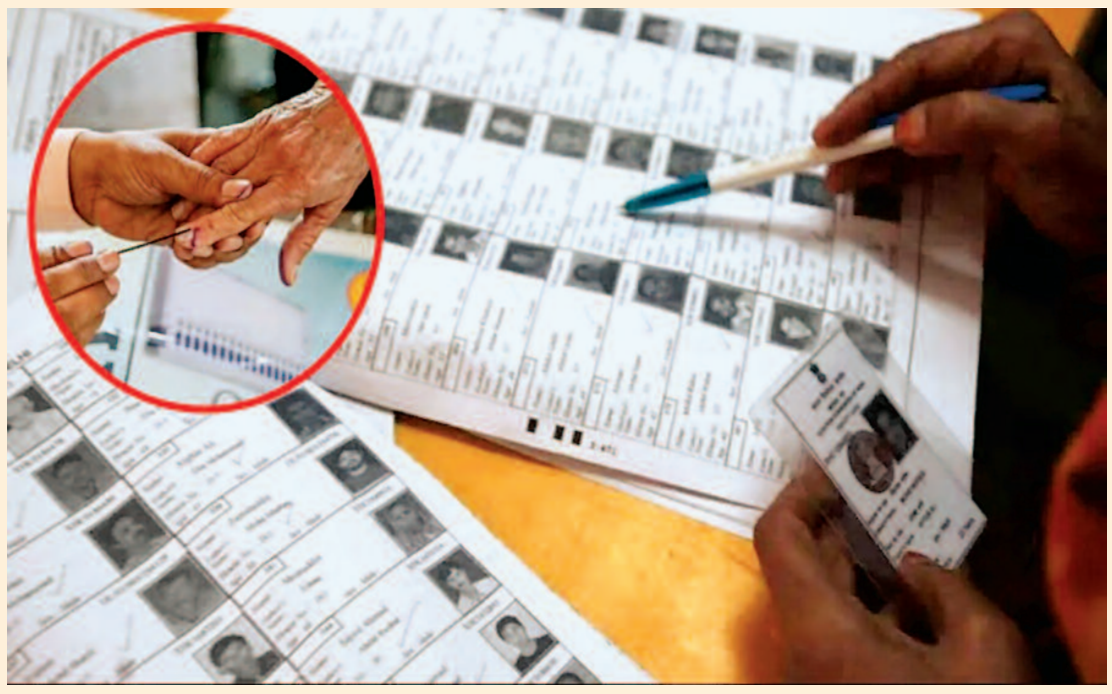

2003 व 2004 के बाद से वार्षिक सारांश संशोधन सामान्य प्रक्रिया बन गये। साल 2004 के बाद किसी भी राज्य को चुनाव आयोग के सचेत निर्णय चालित गहन संशोधन नहीं करना पड़ा, क्योंकि घर-घर सर्वेक्षण के अलावा वार्षिक सारांश रिपोर्ट पर्याप्त थी। स्थापित प्रथा से विचलन व जिस वक्त यह कवायद की जा रही है, वह बिहार में इसे विवादास्पद बनाता है। निस्संदेह, मतदाता सूचियों को नियमित अपडेट किया जाना चाहिए झ लेकिन बिहार जैसे बाढ़-ग्रस्त, उच्च-प्रवासन वाले राज्य में मतदान से बमुश्किल चार महीने पहले ऐसा करना इसे बहुत मुश्किल काम बनाता है। चिंता वैधता की नहीं; बल्कि व्यावहारिकता व कार्यान्वयन से उपजने वाली राजनीतिक दृश्यावली को लेकर है।

मूलतः, यह संशोधन प्रमाण पेश करने का भार मतदाता पर डाल रहा है। जिन लोगों के नाम 2003 की मतदाता सूची में नहीं हैं, उन्हें अब दस्तावेज़ी साक्ष्यों के साथ अपनी प्रमाणिकता साबित करनी होगी। सैद्धांतिक रूप में भले यह उचित लगता हो, किंतु व्यावहारिक पटल पर इससे उन लोगों को मताधिकार से वंचित करने का खतरा बन जाता है, जिनकी सरकारी कागजात पूरा करने की दरकारों में फंसने की गुंजाइश सबसे अधिक है, मसलन, प्रवासी मज़दूर, दलित, आदिवासी, शहरी ग़रीब, अल्पसंख्यक, बुजुर्ग और महिलाएं- जिनमें से अधिकांश के पास जन्मप्रमाण पत्र या माता-पिता के दस्तावेज़ नहीं। ऐसे लोगों के लिए उनका नाम पिछली मतदाता सूची में होना पर्याप्त माना जाना चाहिए था, खासकर अब जबकि डिजिटलीकरण काफी उन्नत है। यहां पर असम की एनआरसी प्रक्रिया के साथ समानता करने से बच नहीं सकते। वहां भी, ऐतिहासिक दस्तावेज़ों की अनिवार्यता पूरी न किए जाने के कारण लगभग बीस लाख लोग मतदान सूची से बाहर हो चुके हैं, जिनमें से अधिकतर ग़रीब हैं। जबकि चुनाव आयोग का दावा है कि एसआईआर चुनावी प्रक्रिया है-न कि नागरिकता की पड़ताल।

इस मुद्दे को और जटिल बनाता है,व्यापक परामर्श का अभाव। विपक्षी दलों का आरोप है कि विशेष गहन संशोधन को बिना किसी पूर्व सूचना के या उनसे चर्चा किए बिना शुरू कर दिया गया है। चुनाव आयोग ने 2002-03 में 20 राज्यों में एसआईआर और पूवीत्तर राज्यों और जम्मू-कश्मीर में 2004 के संशोधन करने के दौरान, राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय दलों के साथ पहले मशविरा किया था। ऐसी कवायद जल्दबाजी में नहीं बल्कि अक्सर चुनावों से कई साल पहले की जाती थी, जिससे फीडबैक, जन जागरूकता मुहिम और पार्टियों की भागीदारी के लिए पर्याप्त समय मिल सके।

विगत में चुनाव आयोग ने 2003 की मतदाता सूची को ऑनलाइन प्रकाशित किया और घर-घर जाकर सत्यापन में मदद करने के लिए करीब एक लाख बूथ-स्तरीय अधिकारियों और इतने ही वालंटियर तैनात किये। सबसे महत्वपूर्ण यह कि इसने स्पष्ट किया है कि 2003 की सूचियों में पहले से शामिल 4.96 करोड़ मतदाताओं को दस्तावेज देने की जरूरत नहीं। वर्तमान में भले ही चुनाव आयोग ने दावों-आपत्तियों की प्रक्रिया खोल दी व राजनीतिक दलों से बूथ स्तर पर एजेंट नियुक्त करने को भी कहा है। ये सभी कदम स्वागत योग्य हैं, लेकिन संशोधन प्रक्रिया की चिंताओं का निवारण करने में पर्याप्त नहीं।

बेशक विशेष गहन संशोधन का कानूनी आधार मजबूत है। अनुच्छेद 324 ,अनुच्छेद 326, मतदाता पंजीकरण नियम, 1960 का नियम 25 और जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 21, मतदान सूचियों को वक्त मुताबिक संशोधित करने का समर्थन करती है। सुप्रीम कोर्ट के फैसलों ने भी इन मामलों में आयोग की स्वायत्तता की पुष्टि की है। लेकिन लोकतंत्र में कानूनी अवयव एकमात्र पैमाने नहीं होते बल्कि नैतिक वैधता व जनता का भरोसा उतने ही मायने रखता है।

चुनाव आयोग को न केवल निष्पक्ष रूप से काम करना चाहिए झ बल्कि उसे निष्पक्षता से काम करते हुए दिखना भी चाहिए। गहराते राजनीतिक ध्रुवीकरण और संस्थानों के प्रति अविश्वास के बढ़ते माहौल के बीच सहानुभूति और स्पष्टता की कमी होने पर नेकनीयत कार्यों को भी गलत समझा जा सकता है। आयोग को दस्तावेज़ीकरण के लिए समय सीमा बढ़ाने पर विचार करना चाहिए। साथ ही इसको पहले उन राज्यों में शुरू करने पर विचार करना चाहिए, जहां चुनाव 2-3 साल बाद होने हैं।

ऐसे वक्त में, संस्थान यह वास्ता देकर कि वह तो सिर्फ कानून का पालन करवा रहा है, अपनी विश्वनीयता खो सकते हैं। बाकियों की तरह, बिहार के मतदाता भी,स्वच्छ मतदाता सूची के हकदार हैं झ लेकिन बड़ी संख्या में लोगों के बाहर छूट जाने की एवज पर नहीं। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के संरक्षक के रूप में, चुनाव आयोग को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि प्रत्येक नागरिक का वोट देने का अधिकार न केवल सुरक्षित रहे बल्कि वह सम्मानित भी महसूस करे। जब मतदान का अधिकार संवैधानिक गारंटी के बजाय विशेषाधिकार की तरह लगने लगे, तो लोकतंत्र की भावना अपने आप सिकुड़ जाएगी।

(लेखक भारत के पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त हैं।)

संपादकीय

बिहार के मतदाता सूची सुधार में कहीं गरीब तो वंचित न हो जाए

इसमें कोई दोराय नहीं कि देश की लोकतांत्रिक प्रणाली को मजबूत करने के लिए होने वाले चुनाव में सभी वैध मतदाताओं को मतदान का अधिकार होना चाहिए और नियम के मुताबिक अपात्र लोगों को मतदाता सूची से हटाया जाना चाहिए। इस दृष्टि से बिहार में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण के लिए निर्वाचन आयोग के निर्देश के मायने समझे जा सकते हैं। सवाल है कि अगर इस सूची को दुरुस्त करने के क्रम में किसी मजबूरी या अन्य परिस्थितियों की वजह से वैसे लोग भी मतदान के अधिकार से वंचित हो जाते हैं, जो वास्तव में इसके हकदार हैं, तो इसकी जवाबदेही किस पर होगी। यह सही है कि समय-समय पर अलग-अलग वजहों से अपात्र हो चुके लोगों को मतदाता सूची से बाहर करने की जरूरत होती है। लेकिन अब नई परिस्थितियों में जिस तरह चुनाव आयोग ने सूची के पुनरीक्षण की प्रक्रिया की शुरुआत की है, उसमें इस बात की आशंका खड़ी हो गई है कि क्या इसमें बड़ी तादाद में वैसे लोग भी मतदान के लिए अपात्र करार दिए जाएंगे, जिनके पास आयोग की ओर से मांगे गए दस्तावेज किन्हीं वजहों से उपलब्ध नहीं हैं ! बिहार के विपक्षी दलों ने इस पर कई सवाल उठाए हैं मतदाता सूची को त्रुटियों से रहित बनाने का काम निश्चित तौर पर संवैधानिक रूप से सही है, लेकिन विपक्षी दलों की ओर से इसके औचित्य पर सवाल उठाने के भी अपने आधार हैं। आयोग की ओर से इस सूची में बने रहने के लिए जिन स्वीकार्य दस्तावेजों को प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है, बिहार के बहुत सारे लोगों को लिए यह एक बेहद मुश्किल काम होगा। ऐसे लोगों की भी संख्या अच्छी-खासी होगी, जिनके पास खुद को सही साबित करने के लिए जरूरी दस्तावेज नहीं होंगे और अगर वे इन्हें नए सिरे से बनवाने के काम में लगेंगे तो इसके लिए समय की जरूरत होगी। जबकि बिहार में अक्तूबर में ही विधानसभा चुनाव होने हैं और मतदाता सूची को दुरुस्त करने के लिए महज एक माह का समय दिया गया है। स्वाभाविक ही इस समय के चुनाव पर भी सवाल उठ रहे हैं। ऐसे में प्रक्रिया पूरी होने के बाद आयोग की ओर से विधानसभा चुनाव के लिए जो अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित की जाएगी, अगर उसमें शामिल होने के पात्र लोग किन्हीं वजहों से छूट गए, तो उनके दावों और आपत्तियों को निपटाने के लिए क्या व्यवस्था की जाएगी? यह छिपा नहीं है कि बिहार में एक बड़ी आबादी ऐसे गरीब और कम शिक्षित लोगों की है, जिनके पास सरकार की ओर से जारी आधिकारिक दस्तावेज नहीं होंगे। खासतौर पर जन्म पंजीकरण के मामले में काफी पीछे रहने की वजह से बहुत कम लोगों के पास जन्म प्रमाणपत्र हैं। हालांकि हाशिये के समुदायों के ज्यादातर लोगों की पहुंच आधार और राशन कार्ड तक है, जिनकी मांग आमतौर पर हर चीज के लिए की जाती है। मगर यह समझना मुश्किल है कि आखिर किन वजहों से इन्हें स्वीकार्य दस्तावेजों की सूची से बाहर रखा गया है। निर्वाचन आयोग की ओर से भले ही यह कहा जा रहा है कि ज्यादातर लोगों को ताजा दस्तावेज जमा करने की जरूरत नहीं होगी, लेकिन जितनी बड़ी संख्या में लोग इस दायरे में आएंगे, उनके लिए भी निर्धारित दस्तावेज जमा करना आसान नहीं होगा। इसीलिए बहुत सारे लोगों के मतदाता सूची से बाहर होने की आशंका जताई जा रही हैं और विपक्षी दल इस कवायद को समान अवसर के खिलाफ बता रहे हैं। ऐसे में आयोग के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह सुनिश्चित करना है कि नए नियमों की वजह से किसी भी वैध मतदाता के मतदान का अधिकार का हनन न हो।

अमेरिकी कृषि उत्पाद बेचने से बचे भारत

प्रमोद भार्गव

भारत और अमेरिका के बीच 9 जुलाई से पहले व्यापार समझौता होना हैं। यदि भारत अमेरिका की षर्तें नहीं माना है तो 9 जुलाई से टैरिफ यानी अंतरराश्ट्रीय व्यापार में लगाया जाने वाला कर 10 से बढ़ाकर 26 प्रतिशत हो जाएगा। भारत चाहता है कि जल्द अंतरिम व्यापार समझौता हो जाए। लेकिन अमेरिका अपने हितों को प्राथमिकता देते हुए चाहता है कि भारत में उसे कृशि और डेयरी उत्पाद बचने की अनुमति दी जाए। चीन ने अमेरिकी उत्पात खरीदने से मना कर दिया है। भारत राश्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के दबाव के बावजूद अमेरिका के लिए कृशि उत्पाद का बाजार खोलने के पक्ष में नहीं है। दरअसल भारत की 70 करोड़ से भी अधिक आबादी कृशि, दूध और मछली व अन्य समुद्री उत्पादन पर आश्रित है। इन उत्पादों से जुड़े लोग आत्मनिर्भर रहते हुए अपनी आजीविका चलाते हैं। हालांकि भारत सरकार इनकी आर्थिक स्थिति को ओर मजबूत बनाए रखने की दृश्टि से मुफ्त अनाज, खाद्य सब्सिडी और किसानों को छह हजार रुपए प्रतिवर्श अनुदान के रूप में देती है। भारत की 70 प्रतिशत अर्थव्यवस्था का मूल आधार कृशि और उससे जुड़े उत्पाद हैं। अब अमेरिका इस परिप्रेक्ष्य में भारत पर व्यापक दबाव बनाकर द्विपक्षीय बातचीत करने का दबाव बना रहा है। अमेरिका चाहता है कृषि उत्पादों के लिए भारतीय बाजार तो खुले ही उत्पादों पर शुल्क भी कम करे। यदि भारत कोई समझौता करता है तो ब्रिटेन और यूरोपीय संघ भी मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए दबाव बनाएंगे। यूरोपीय संघ चीज व अन्य दुग्ध उत्पादों पर शुल्क कटौती की इच्छा जता चुका है। अमेरिका के वाणिज्य मंत्री हावर्ड लुटनिक और अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जेमीसन ग्रीर ने भारत के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल से बातचीत में इन मुद्दों को द्विपक्षीय वार्ता में

शामिल करने की बात कही है। किंतु भारत के लिए कृषि में बाहरी दखल एक संवेदनशील मसला है, क्योंकि हमारे किसान विदेशी पूंजीपतियों से प्रतिस्पर्धा करने की स्थिति में नहीं हैं। भारत में कृषि केवल आर्थिक गतिविधि नहीं है, बल्कि यह जीवन जीने का एक सांस्कृतिक तरीका भी है। इसीलिए भारत के जितने भी पर्व हैं, उनका पंचांग कृषि पद्धति पर ही आधारित है। जबकि अमेरिका व यूरोपीय देश कृषि को मुनाफे का उद्योग मानते हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार 2024 में अमेरिका का कृशि निर्यात 176 अरब डॉलर था, जो उसके कुल व्यापारिक निर्यात का लगभग 10 प्रतिशत हैं। बड़े पैमाने पर मशीनीकृत खेती और भारी सरकारी सब्सिडी के साथ अमेरिका और अन्य विकसित देश भारत को अपने निर्यात का विस्तार करने के लिए आकर्शक बाजार के रूप में देखते हैं। जबकि भारत अपने कृशि क्षेत्र को मध्यम से उच्च षुल्क की कल्याणकारी योजनाओं के द्वारा संरक्षित किए हुए है ताकि अपने किसानों को अनुचित प्रतिस्पर्धा से बचाया जा सके। कृषि क्षेत्र को मुक्त बाजार बनाने का मतलब है कि आयात प्रतिबंधों और शुल्कों को कम करना। कृषि को बाहरी सब्सिडी वाले विदेशी आयातों के लिए खोलने का अर्थ होगा, सस्ते खाद्य उत्पादों का भारत में आना, यह खुलापन भारतीय किसानों की आय और आजीविका को गंभीर रूप से प्रभावित करेगी। ऐसा ही दबाव भारत पर विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) ने जेनेवा में 2022 में हुई बैठक में बनाया था। यहां तक कि अमेरिका और अन्य यूरोपीय देशों ने भारतीय किसानों को दी जाने वाली कृशि अनुवृत्ति (सब्सिडी) का जबरदस्त विरोध किया था। ये देश चाहते हैं कि किसानों को जो सालाना छह हजार रुपए की आर्थिक मदद और न्यूनतम समर्थन मूल्य पर अनाज खरीदनें की सुविधा दी जा रही है, भारत उसे तत्काल बंद करे। यही नहीं राश्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून के तहत देशभर के 81 करोड़ लोगों को जो मुफ्त अनाज दिया जा रहा है उस पर भी आपत्ति जताई थी। देश की करीब 67 फीसदी आबादी को मुफ्त अनाज मिलता है। इस कल्याणकारी योजना पर 1 लाख 40 हजार करोड़ रुपए का खर्च सब्सिडी के रूप में प्रति वर्श होता है। परंतु भारत ने अपने किसान और गरीब आबादी के हितों से समझौता करने से साफ इंकार कर दिया था। इसे डब्ल्यूटीओ के तय नियमों का खुला उल्लंघन करार दिया गया था। क्योंकि नियमानुसार अनाजों के उत्पादन मूल्य पर 10 प्रतिशत से ज्यादा सब्सिडी नहीं दी जा सकती है। जबकि भारत इससे कई गुना ज्यादा सब्सिडी देता है। दरअसल इन देशों का मानना है कि सब्सिडी की वजह से ही भारतीय किसान चावल और गेहूं का भरपूर उत्पादन करने में सक्षम हुए हैं। इसी का परिणाम है कि भारत गेहूं व चावल के निर्यात में अग्रणी देश बन गया है। बांग्लादेश, श्रीलंका, संयुक्त अरब अमीरात, इंडोनेशिया, फिलीपींस और नेपाल के अलावा 68 देश भारत से गेहूं आयात करते हैं। भारत दुनिया के कुल 150 देशों को चावल का निर्यात करता है। अमेरिका को भारत की यह समृद्धि फूटी आंख नहीं सुहा रही है। किसी भी देश की प्रतिबद्धता विदेशी हितों से कहीं ज्यादा देश के किसान, गरीब व वंचित तबकों की खाद्य उत्पादन और सुरक्षा के प्रति ही होनी चाहिए। लिहाजा नरेंद्र मोदी 2014 में प्रधानमंत्री बनने के समय से ही किसानों के हित में खड़े दिखाई दिए हैं। अतएव 2014 में इसी जेनेवा में डब्ल्यूटीओ के हुए सम्मेलन में नरेंद्र मोदी ने भागीदारी करते हुए 'समुचित व्यापार अनुबंध' ;ट्रेड फैलिसिटेशन एग्रीमेंटद्ध पर हस्ताक्षर नहीं किए थे। इस करार की सबसे महत्वपूर्ण षर्त थी कि संगठन का कोई भी सदस्य देश,अपने देश में पैदा होने वाले खाद्य पदार्थों के मूल्य का 10 फीसदी से ज्यादा अनुदान खाद्य सुरक्षा पर नहीं दे सकता है। जबकि भारत खाद्य सुरक्षा कानून के तहत देश की 67 फीसदी आबादी खाद्य सुरक्षा के दायरे में है। इसके लिए बतौर सब्सिडी जिस धनराशि की जरूरत पड़ती है, वह सकल फसल उत्पाद मूल्य के 10 फीसदी से कहीं ज्यादा बैठती है। दरअसल सकल फसल उत्पाद मूल्य की 10 फीसदी सब्सिडी का निर्धारण 1986-88 की अंतरराश्ट्रीय कीमतों के आधार पर किया गया था। इन बीते साढ़े तीन दशक में मंहगाई ने कई गुना छलांग लगाई है। इसलिए इस सीमा का भी पुनर्निर्धारण जरूरी है। यही वह दौर रहा है, जब भूमण्डलीय आर्थिक उदारवाद की अवधरणा ने बहुत कम समय में ही यह प्रमाणित कर दिया कि वह उपभोक्तावाद को बढ़ावा देकर अधिकतम मुनाफा बटोरने का उपाय भर है। टीएफए की सब्सिडी संबंधी षर्त, औद्योगिक देश और उनकी बहुराश्ट्रीय कंपनियों के इसी मुनाफे में और इजाफा करने की दृश्टि से लगाई गई है। जिससे लाचार आदमी के आजीविका के संसाधनों को दरकिनार कर उपभोगवादी वस्तुएं खपाई जा सकें। नवउदारवाद की ऐसी ही इकतरफा व विरोधाभासी नीतियों का नतीजा है कि अमीर और गरीब के बीच खाई लगातार बढ़ती जा रही है। दरअसल देशी व विदेशी उद्योगपति पूंजी का निवेश दो ही क्षेत्रों में करते हैं, एक उपभोक्तावादी उपकरणों के निर्माण और वितरण में, दूसरे प्राकृतिक संपदा के दोहन में। यही दो क्षेत्र धन उत्सर्जन के अहम स्रोत हैं। उदारवादी अर्थव्यवस्था का मूल है कि भूखी आबादी को भोजन के उपाय करने की बजाय विकासशील देश पूंजी का केंद्रीकरण एक ऐसी निश्चित आबादी पर करें,जिससे उसकी खरीद क्षमता में निरंतर इजाफा होता रहे।

कॉलेजियम व्यवस्था में भी सुधार की जरूरत

अरुण कुमार

सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने उच्च न्यायालयों में जजों की नियुक्ति प्रक्रिया को अभ्यर्थियों की सामान्य जांच के अलावा इंटरव्यू से भी जोड़ दिया है। गत दिनों हाईकोर्ट जस्टिस यशवंत वर्मा के सरकारी आवास पर नकदी प्रकरण और जस्टिस शेखर यादव के विवादित बयानों ने लोगों के बीच न्यायपालिका के प्रति विश्वास को थोड़ा डगमगा दिया है। जवाब में सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने जजों नियुक्ति प्रक्रिया रबदली है। अब हाईकोर्ट कॉलेजियम से आए नामों की सामान्य जांच के अलावा, सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम अभ्यर्थियों के साक्षात्कार भी ले रहा है। यह कदम भ्रष्टाचार और न्यायपालिका को लेकर उठने वाले विवादों की रोकथाम की दिशा में सार्थक प्रयास कहा जा सकता है। लेकिन सवाल यह भी है कि क्या इतना भर ही काफी होगा? क्या भारत को न्यायिक नियुक्तियों को लेकर वैश्विक मॉडल को अपनाने की जरूरत नहीं होनी चाहिए? हमारे देश में न्यायाधीशों की नियुक्ति कॉलेजियम प्रणाली के तहत होती है, जो सुप्रीम कोर्ट के 1993 और 1998 के फैसलों से विकसित हुई। यह प्रणाली, भी पारदर्शिता और जवाबदेही को लेकर यदा-कदा आलोचना का शिकार होती रही है। अमरीका में संघीय

न्यायाधीशों की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा नामांकन और सीनेट की मंजूरी से होती है, जिसमें सार्वजनिक सुनवाई और गहन जांच शामिल होती है। हालांकि इस प्रणाली में भी राजनीतिक दखल की आशंका बनी रहती है। यूरोप में, विशेषकर यूनाइटेड किंगडम में, स्वतंत्र न्यायिक नियुक्ति आयोग जजों का चयन करता है, जिसमें योग्यता, अनुभव और चरित्र की कठोर जांच होती है। भारत में वर्ष 2014 में राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग की स्थापना 99वें संविधान संशोधन के तहत की गई थी, जिसमें सरकार और न्यायपालिका के बीच संतुलन बनाने का प्रयास था। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने 2015 में इसे असंवैधानिक घोषित कर कॉलेजियम प्रणाली को ही बरकरार रखा। यह कहा जा रहा था कि संरचना में हस्तक्षेप की आशंका रहने से ऐसा आयोग न्यायपालिका की स्वतंत्रता को खतरे में डाल सकता था। फिर भी यह कहा जा सकता है कि कॉलेजियम प्रणाली में सुधार की जरूरत है।चयन प्रक्रिया को सार्वजनिक करने, अभ्यर्थियों की योग्यता और पृष्ठभूमि की जांच के स्पष्ट मानदंड तो हो हीं एक स्वतंत्र निगरानी समिति गठित की जाए, जो न्यायपालिका में भ्रष्टाचार और अनैतिक व्यवहार की शिकायतों की जांच करे। निचली अदालतों से लेकर हाईकोर्ट तक भर्ती प्रक्रिया में योग्यता-आधारित प्रतियोगी परीक्षा और साक्षात्कार शामिल करने होंगे। मोटे तौर पर भारत में जजों के चयन की ऐसी प्रणाली की जरूरत है, जो स्वतंत्रता, पारदर्शिता और जवाबदेही का संतुलन बनाने का काम करे। इससे न केवल त्वरित और निष्पक्ष न्याय सुनिश्चित होगा बल्कि न्यायपालिका को जनता की आस्था का प्रतीक भी बनाया जा सकेगा।

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक , प्रकाशक व संपादक सरोज चौधरी द्वारा न्यू लोक भारती प्रेस, वार्ड 10 कोकर औद्योगिक क्षेत्र कोकर रांची से मुद्रित तथा ई -37, अशोक विहार रांची से प्रकाशित, संस्थापक संपादक :स्व. राधाकृष्ण चौधरी
प्रबंध संपादक : अरूण कुमार चौधरी, फोन: 9471170557/08084674042, ई-मेल : Divyadinkarranchi @ gmail.com,RNI Regd. No. : JHAHIN/2013/54373Postal Registration No. : RN-11/2012)

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली पैरा ओलंपिक समिति की अध्यक्ष पारुल सिंह ने दिल्ली में झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से की मुलाकात , भेंट स्वरूप भेंट की पारंपरिक पेंटिंग

पैरा खेलों को बढ़ावा देने के प्रयासों को जारी रखते हुए पारुल सिंह ने दिल्ली में झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से की मुलाकात

नई दिल्ली, ।

दिल्ली राज्य पैरा ओलंपिक समिति की अध्यक्ष पारुल सिंह ने आज नई दिल्ली में झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात की। इस अवसर पर श्रीमती सिंह ने उन्हें भगवान श्रीराम और माता सीता की पारंपरिक पेंटिंग भेंट की, जो सांस्कृतिक सम्मान और सौहार्द का प्रतीक है। मुलाकात के दौरान श्रीमती सिंह ने झारखंड सरकार द्वारा खेल सुविधाओं के विकास और पैरा-एथलीट्स के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। उन्होंने यह भी साझा किया कि विभिन्न राज्यों के बीच सहयोग से देश में पैरा खेलों की संरचना को और मजबूत किया जा सकता है। मुख्यमंत्री सोरेन ने इस आत्मीय भेंट के लिए श्रीमती सिंह का आभार व्यक्त किया और समावेशी खेलों को प्रोत्साहन देने तथा दिव्यांग एथलीट्स के लिए बेहतर अवसर सुनिश्चित करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। श्रीमती पारुल सिंह दिल्ली पैरा ओलंपिक समिति का प्रतिनिधित्व करते हुए लगातार विभिन्न मंचों पर सक्रिय हैं और समावेशन, पहुंच और सांस्कृतिक सहभागिता को सार्वजनिक जीवन में महत्व देने के प्रयासों में जुटी हैं।

भाकपा माले के प्रखंड सचिव सुरेंद्र गुप्ता के नेतृत्व में बैठक आयोजित की जी गई

रिपोर्ट - अनुमंडल संवादाता (गोह)

गोह। गोह प्रखंड मुख्यालय में भाकपा माले की बैठक आहूत की गई। जिसकी अध्यक्षता प्रखंड सचिव सुरेंद्र गुप्ता ने किया। बैठक में सदस्यता नवीनीकरण करने, प्रखंड सम्मलेन आयोजित करने, 12 जुलाई को कई ज्वलंत मुद्दे को लेकर प्रखंड कार्यालय पर प्रदर्शन करने सहित कई मुद्दे पर चर्चा की गई। इस मौके पर पर पार्टी के जिला मंत्री मुनारिक रामज सांसद प्रतिनिधि देवरुल पासवान, शिवशंकर साव, दीनानाथ मांझी, मुकेश पासवानज केशो दास सहित कई पार्टी के कार्यकर्ता उपस्थित थे।

महोत्सव रत्न संजीव कुमार सिंह के देखरेख में सूर्य राघव मंदिर बड़ेम की प्रसिद्धि राष्ट्रीय स्तर पर है

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिले के नवीनगर प्रखंड में प्रसिद्ध ग्राम बड़ेम अवस्थित सूर्य राघव मंदिर पूरी दुनिया में इकलौता सूर्य मंदिर है जहां भगवान सूर्य के गोद में भगवान श्री राम एवं माता जानकी बैठी हैं और उनके अगल-बगल सेवक भाव की मुद्रा में हनुमान जी और लक्ष्मण जी विराजमान है जब कोई श्रद्धालु भक्त इस दृश्य को देखता है तो उसकी दृष्टि अपलक हो जाती है वह बहुत देर तक निहारने लगता है कि आखिर ऐसा दृश्य क्यों बनाया गया है ऐसा दृश्य किसी साधारण मानव के बश की बात नहीं है। युग प्रवर्तक संत त्रिदंडी स्वामी जी महाराज के देखरेख में विद्या भास्कर जी महाराज के सान्निध्य में स्थापित किया गया था। इतना अद्भुत इतना चमत्कारी मंदिर शायद ही कहीं होगा।इस मंदिर में दर्शन करने वाले भक्त जिस कामना हेतु यहां पधारते हैं उनकी मनोकामना अवश्य पूर्ण होती है।ऐसी इस मंदिर की मान्यता है। सूर्य राघव मंदिर बड़ेम के अध्यक्ष महोत्सव रत्न संजीव कुमार सिंह के कुशल नेतृत्व में यहां प्रतिवर्ष महोत्सव का आयोजन किया जाता है उनके देखरेख में वर्ष में दो बार छठ मेले का कुशल आयोजन किया जाता है। इसके अलावा प्रत्येक रविवार को यहां विशेष पूजा पाठ संपन्न कराई जाती है। मंदिर का अवलोकन करने के पश्चात जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन के उपाध्यक्ष सुरेश विद्यार्थी ने बताया कि जब कोई भक्त नबीनगर एनटीपीसी से बड़ेम के रास्ते होकर बारुण जाते हैं मंदिर की ओर जब उनकी दृष्टि पड़ती है तो वे अचरज भरी दृष्टि से देखते हैं तो पातें हैं कि इस मंदिर की कुछ तो विशेषता जरूर है जो किसी को भी आकर्षित करते रहती है। शास्त्रों में वर्णन आया है कि भगवान भास्कर की गोद में अनादि ब्रह्म परम पिता परमेश्वर भगवान श्री राम एवं माता जानकी विराजमान रहे तो उस प्रतिकृति को जब किसी भक्त की नजर पड़ती है तो उसके जन्म जन्मांतर के पाप धुल जाते हैं।भगवान श्री राम का जन्म सूर्यवंश में हुआ था और सूर्यवंश में जन्म लेने के कारण ही इस आकृति को यहां दोहराई गई है ऐसी भी मान्यता है।

सी थ्री संस्था के तहत सभी स्कूलों को दिया गया पौधा।

रिपोर्ट/ निशांत कुमार

हसपुरा (औरंगाबाद) :- जिले की सेंटर फॉर कैटलाइजिंग चेंज के तहत प्रखंड संसाधन केंद्र हसपुरा के माध्यम से प्रखंड के सभी प्राथमिक ,मध्य और उच्च विद्यालय के प्रधानध्यापक को 4 और 5 जुलाई को दो दिन पौधा वितरण किया गया।सभी विद्यालय को गोल्ड मोहर,महोगनी,अमरूद,आँवला ,सागवान का पौधा दिया गया।सभी विद्यालयों में यूथ फेलो के द्वारा पौधा लगाने में सहयोग प्रदान किया गया।इस अवसर पर सी थ्री की कोऑडिनेटर उर्वशी उज्वला शिक्षक चन्द्रभूषण राम और मिथलेश प्रसाद ने कहा कि पर्यावरण तभी सन्तुलित रहेगा जब अधिक से अधिक पौधा सभी जगह लगाया जाएगा।

उपहारा में समरसेबल चोरी की घटना, किसान ने पुलिस से लगाई न्याय की गुहार

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

गोह(औरंगाबाद)उपहारा थाना क्षेत्र के बुधई खुर्द गांव के एक किसान के खेत से समरसेबल की चोरी हो गई है। इस संबंध में किसान नागेंद्र यादव ने उपहारा थाना में लिखित आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की है।किसान ने बताया कि यह घटना शुक्रवार की रात की है, जब अज्ञात चोरों ने जोलहरी बधार स्थित उनके खेत में लगे समरसेबल पंप को चुरा लिया। सुबह खेत में पहुंचने पर उन्हें चोरी की जानकारी हुई। उन्होंने बताया कि यह समरसेबल खेती के लिए लगाया गया था, जिसकी कीमत हजारों रुपये थी। इस चोरी की वजह से अब उनकी खेती पर संकट खड़ा हो गया है। पुलिस को मामले की जानकारी दे दी गई है, लेकिन समाचार लिखे जाने तक प्राथमिकी दर्ज नहीं हुई थी। किसान ने चोरी की घटना की निष्पक्ष जांच कर दोषियों को पकड़ने की मांग की है। ग्रामीणों ने भी क्षेत्र में रात में पुलिस गश्ती बढ़ाने की मांग की है, ताकि इस तरह की घटनाओं पर रोक लग सके।

राणा सांगा के नाम पर राजीव प्रताप रुडी की सांगा यात्रा का आगाज

राष्ट्रीय एकता और देशभक्ति के संकल्प को मजबूत करने की पहल

मुजफ्फरपुर, ।

राष्ट्रीय एकता, अखंडता एवं देशभक्ति की भावना को जन-जन में पुनः जागृत करने के उद्देश्य से पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सारण सांसद राजीव प्रताप रुडी ने महान इतिहास पुरुष राणा सांगा के नाम पर ह्लसांगा यात्राह्व का शुभारंभ किया। इस यात्रा की शुरूआत आज अमर स्वाधीनता सेनानी खुदीराम बोस की कीर्ति स्थली मुजफ्फरपुर से की गई। सांसद की यह यात्रा मुजफ्फरपुर जिले तथा मुजफ्फरपुर जिले के अंतर्गत आने वाले वैशाली लोकसभा क्षेत्र में संपन्न हुई। मुजफ्फरपुर पहुँचने पर सांसद श्री रुडी का क्षत्रिय समाज के गणमान्य लोगों ने भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस दौरान सीवान से जदयू नेता अजय सिंह, बाबू वीर कुँवर सिंह शौर्य जयंती आयोजन समिति के अध्यक्ष ब्रजेश सिंह, भाजपा के प्रदेश कार्य समिति सदस्य राकेश कुमार सिंह, आनंद कुमार सिंह उर्फ बाबू साहब, शशी भूषण सिंह मुखिया, अमरेंद्र कुमार सिंह, अनील कुमार सिंह, संतोष सिंह, करणी सेना के प्रियांशु सिंह, मुखिया संघ के अध्यक्ष मोतीपुर के मनोज सिंह, राजेश सिंह, अनील सिंह पंचायत समिति सदस्य, विकास सिंह मुखिया, सिकंदर सिंह, सरपंच जिला उपध्यक्ष मनोज कुमार, राणा मुकेश सिंह, मितुंजय शाही, विजय सिंह साईं, शत्रुघ्न सिंह सहित अनेक सम्मानित जन उपस्थित थे। अपनी यात्रा के दौरान मुजफ्फरपुर में श्री रुडी का कामेश्वरनाथ शिव मंदिर, गोकुल डेयरी, गायत्री पैलेस, मीनापुर चौक, मोतीपुर चौक से पहले रतनपुर में क्षत्रिय समाज द्वारा सांसद श्री रुडी का अभिनंदन किया गया। पूर्व केंद्रीय मंत्री रुडी के साथ सांसद रुडी ने बताया कि यह ह्लसांगा यात्राह्व आगामी 23 अप्रैल को बाबू वीर कुंवर सिंह के शौर्य दिवस पर पटना में बिहार भर से जुटे क्षत्रिय समाज के प्रतिनिधियों के प्रति आभार प्रकट करने हेतु समर्पित है। इस यात्रा के माध्यम से वे बिहार के शिवहर, आरा, गया, जहानाबाद, अरवल, वैशाली, मुंगेर, जमुई, मोतिहारी आदि कई जिलों में अलग-अलग तिथियों पर सांगा यात्रा होगी और श्री रुडी जन संवाद करेंगे तथा सामाजिक एकता, इतिहास गौरव और राष्ट्रभक्ति के संदेश को घर-घर पहुँचाएंगे। सांसद रुडी ने कहा कि हमारे इतिहास के महानायक राणा सांगा ने अखंडता एवं स्वाभिमान की जो अद्भुत मिसाल पेश की, वही आज के समय में राष्ट्रीय एकता के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह यात्रा समाज में नई ऊर्जा का संचार करेगी और बिहार की धरती पर वीरता, त्याग एवं एकता की परंपरा को और सुदृढ़ करेगी।

गोह गांधी मैदान को सौंदर्यीकरण करने की मांग को लेकर बीडीओ को सौंपा आवेदन

रिपोर्ट - अनुमंडल संवादाता (गोह)

गोह (औरंगाबाद) गोह प्रखंड मुख्यालय में खेल मैदान बदहाल होने से युवाओं को काफी दिक्कत हो रही है। गांधी मैदान को सौंदर्यीकरण करने के मांग को लेकर शनिवार को समाजसेवी दिलीप कुमार विश्वकर्मा के नेतृत्व में एक शिष्टमंडल बीडीओ डॉ.राजेश कुमार दिनकर से मिलकर आवेदन सौंपा। शिष्टमंडल में अमरेंद्र कुमार एवं कुंदन गिरी शामिल थे। आवेदन में कहा गया है कि जिले के अन्य प्रखंड में स्टेडियम या खेल मैदान बनाया गया है। पर गोह में खेल मैदान बनाने के प्रति अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि उदासीन है। साथ ही दो सौ से अधिक हस्ताक्षर वाला इस आवेदन को मुख्य सचिव सचिवालय बिहार सरकार, अपर सचिव खेल मंत्रालय बिहार सरकार, डीएम औरंगाबाद एवं एसडीओ दाउदनगर को भी भेजा गया है। बीडीओ ने इस मामले में यथाशीघ्र पहल करने का आश्वसन दिया है। स्थानीय निवासी, मंजीत राणा, नीरू कुमारी, धर्मेंद्र कुमार, अंकुश कुमार, रोहित कुमार, अवधेशनन्दन द्विवेदी, वर्षा कुमारी, ममता देवी, अमृता कुमारी, एकता कुमारी, बृजमोहन राम, अवधेश पासवान, रंजन सिंह, नागेश्वर प्रसाद सिंह, पप्पू सिंह, साधना कुमारी सहित कई लोगो ने बताया कि यह दुर्भाग्य की बात है कि गोह प्रखंड मुख्यालय के एक मात्र गांधी मैदान को खेल मैदान के रूप में विकसित करने का प्रशासनिक स्तर से प्रयास नहीं किया जा सका है। अगर, यही स्थिति रही तो वे लोग इस मुद्दे को लेकर आंदोलन करने पर विवश हो जाएंगे।

स्वास्थ्य, शिक्षा एवं बाल संरक्षण विषयों पर कार्यशाला का आयोजन मुखिया और पंचायत सचिव को दी गई जानकारी

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:लिट्टीपाड़ा शनिवार को प्रखंड कार्यालय के सभागार में विवाह एवं मजदूरों के प्रवास के दस्तावेजीकरण सहित स्वास्थ्य, शिक्षा एवं बाल संरक्षण विषय पर आधारित प्रखण्ड स्तरीय एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में प्रखंड के सभी ग्राम पंचायत के मुखिया और पंचायत सचिवों को बाल विवाह नियंत्रण,प्रवासी मजदूरों पंजीकरण, स्वास्थ्य के प्रति सजगता,शिक्षा के प्रति जागरूकता सहित आधारभुत साक्षरता और संख्यात्मकता एवं ड्राप आउट बच्चे के विषयों पर पिरामल फाउंडेशन के प्रोग्राम लीडर मीना ठाकुर, गाँधी फेलो के जीतेन्द्र विष्ट, राहुल कुमार, मेधा यादव, रामप्रकाश कुमार, चांदनी परवीन द्वारा विस्तृत जानकारियां दी गई। वहीं एसोसिएशन फॉर वोलेनटियारी एक्शन के डिस्ट्रिक्ट प्रोजेक्ट एसोसिएट मानिदिपा साहा ने बाल संरक्षण, बाल विवाह प्रवासन रेजिस्ट्रेर को सामंजस्य स्थापित करने के विषयों पर जानकारी दी गई। मौके पर प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी कमल पहाड़िया, प्रखंड कल्याण /कृषि पदाधिकारी के.सी. दास, स्वास्थ्य विभाग से प्रोग्राम ऑफिसर नरेश साहा सहित सभी ग्राम पंचायत के मुखिया और पंचायत सचिव उपस्थित थे।

भारतीय संस्कृति को बढ़ावा देने हेतु विद्या भारती की महत्वपूर्ण पहल : दिनेश कुमार

संस्कृति महा अभियान को सफल बनाने हेतु अभिभावकों के साथ की गई बैठक

जमालपुर।

ज्योति युगल सरस्वती शिशु मंदिर फुल्का के तत्व प्रावधान में शनिवार को अभिभावक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। अभिभावक संगोष्ठी की अध्यक्षता प्रधानाचार्य दिनेश कुमार तथा संचालन समिति की आचार्या प्रतिनिधि प्रतिभा प्रवांचना ने किया। इस दौरान आगामी संस्कृति महा अभियान को सफल बनाने की दिशा में चर्चा की गई। अभिभावकों को संबोधित करते हुए प्रधानाचार्य दिनेश कुमार ने कहा कि विद्या भारती द्वारा देशभर में संचालित हो रहे सरस्वती विद्या मंदिर एवं शिशु मंदिर विद्यालयों के माध्यम से प्रत्येक वर्ष संस्कृति महाअभियान चलाया जाता है। भारतीय संस्कृति को बढ़ावा देने की दिशा में विद्या भारती की यह एक महत्वपूर्ण पहल है। जिसका उद्देश्य भारतीय संस्कृति और मूल्यों को बढ़ावा देना है। यह अभियान विद्या भारती द्वारा संचालित विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से छात्रों, शिक्षकों और आम जनता को भारतीय संस्कृति, इतिहास, और राष्ट्रीय गौरव से परिचित कराता है। मौके पर अनवर हुसैन, मंदाकिनी कुमारी, अरुणा कुमारी, रूपम कुमारी, कंचन कुमारी, आदित्य कुमार, दुर्गा देवी, संजू देवी, पिंकी देवी, रानी देवी, सुनीता देवी, बेबी कुमारी, अंजली कुमारी, राहुल कुमार, आचार्य प्रतिनिधि पुष्पेंद्र भारती मौजूद थे।

वेलनेस सेंटर को लेकर भूमि चिन्हित, जल्द भवन निर्माण शुरू करने की अपील की

हस्ताक्षर अभियान चलाकर वैलनेस सेंटर स्थापित किए जाने की पुरजोर उठाई मांग

जमालपुर।

नगर परिषद जमालपुर क्षेत्र अंतर्गत रामचंद्रपुर वार्ड संख्या 35 में अर्बन हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर को लेकर सरकारी जमीन चिन्हित कर लिया गया है। भूमि चिंहितकर इस बाबत स्वास्थ्य विभाग के पदाधिकारी तथा नगर परिषद प्रशासन को भूमि से संबंधित सभी जानकारी उपलब्ध करा दी गई है। उक्त चिन्हित जमीन पर जल्द से जल्द भवन निर्माण कर अर्बन हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर की नींव रखी जाए। मांग करते हुए सामाजिक कार्यकर्ता मनीष मंडल एवं मयंक राज उर्फ छोटू डॉन ने कहा कि जमालपुर नगर परिषद क्षेत्र में स्वास्थ्य विभाग द्वारा वैलनेस सेंटर खोलने की दिशा में भूमि उपलब्ध कराने की बात कही गई थी। जिसके आधार पर रामचंद्रपुर वार्ड संख्या 35 के अंतर्गत जगदीशपुर मौज में रामचंद्रपुर इलेक्ट्रिक पावर ग्रिड के समीप खाली पड़ी सरकारी जमीन को वैलनेस सेंटर के निर्माण के लिए उपयोग में लाया जा सकता है। उक्त सरकारी भूखण्ड जो कि विगत 50 वर्षों से बेकार पड़ी हुई है, किसी उपयोग में भी नहीं आ रही हैं। इस भूमि को स्थानीय समाजसेवियों और ग्राम वासियों के द्वारा चिन्हित किया गया है। यह भूमि लगभग 30 हजार आबादी के बीचो-बीच है। जहां स्वास्थ्य उपकेंद्र खुलने पर एक बड़ी आबादी को समुचित लाभ मिल सकेगा। चूंकि इस आबादी में ज्यादातर लोग आर्थिक रूप से बहुत ही कमजोर हैं, जो किसी तरह से गुजर बसर कर रहे हैं। और इसी आबादी के अंतर्गत दलित व महादलित की बस्तियां बसी हुई हैं। जिनकी आबादी भी अच्छी खासी है। जिस कारण इस सरकारी भूखंड को चिन्हित किया गया है। जिससे जल्द से जल्द अस्पताल का निर्माण हो सके। इसके लिए हम ग्रामवासी प्राथमिक स्वास्थ्य के लिए हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। इस हस्ताक्षर अभियान में शामिल मनीष कुमार मंडल, वार्ड नंबर 35 के वार्ड पार्षद रूपेश कुमार, वार्ड नंबर 36 के वार्ड प्रतिनिधि संदीप कुमार, वार्ड नंबर 32 के वार्ड पार्षद रकेश कुमार, मयंक कुमार उर्फ छोटू, शैलेंद्र मंडल, मंगल मंगल, बुलबुल देवी, अभिमन्यु आनंद, पंकज मांझी , रंजन दास,कारू मांझी,दशरथ मांझी, राजकुमार मांझी, रंजीत पासवान, दिलीप तांती, कटीमन पासवान, समृद्ध पासवान, शिव मांझी, विक्की कुमार, कुंदन कुमार, जीवन पासवान, वासु देवी, भासो देवी, सौमित्री देवी, प्रमिला देवी, शकुंतला देवी उपस्थित थे।

बीआरबीसीएल में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिले के सुप्रसिद्ध विद्युत पावर प्लांट बीआरबीसीएल प्रांगण में 5 जुलाई 2025 को स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर बीआरबीसीएल और एनएमसीएच, सासाराम के सहयोग से आयोजित हुआ। रक्तदान शिविर में कुल 42 यूनिट रक्त एकत्र किया गया। बीआरबीसीएल के कर्मचारी, उनके परिजन, सीआईएसएफ के जवान तथा अन्य सहयोगी संस्थानों के प्रतिनिधियों ने इस पुनीत कार्य में भागीदारी निभाई।

शिविर का उद्घाटन श्री दीपक रंजन देहुरी (मुख्य कार्यकारी अधिकारी, बीआरबीसीएल) ने किया। इस अवसर पर श्री बिमल कुमार साहा (महाप्रबंधक, प्रचालन एवं अनुरक्षण), श्री सुबोध कुमार सुधाकर (महाप्रबंधक, अनुरक्षण एवं एडीएम), सीआईएसएफ डीसी श्री प्रशांत करांडे एवं अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। शिविर में प्रथम रक्तदान श्री दीपक रंजन देहुरी द्वारा किया गया। शिविर का संचालन जीवक अस्पताल की ओर से डॉ. ब्रिजलाल के मार्गदर्शन में किया गया। यह बीआरबीसीएल द्वारा आयोजित चौथा रक्तदान शिविर है। शिविर का संपूर्ण निरीक्षण एनएमसीएच की मेडिकल टीम द्वारा डॉ. रवि रंजन के नेतृत्व में किया गया। इस अवसर पर सांगिनी लेडीज क्लब की उपाध्यक्ष श्रीमती रूना साहा सहित अन्य सदस्यगण भी उपस्थित रहीं और आयोजन की सराहना की।

जिला स्तरीय वैश्य प्रतिनिधि सम्मेलन 20 जुलाई को सम्राट अशोक भवन में आयोजित किया जाएगा

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिला मुख्यालय स्थित ब्लॉक मोड़ के समीप अवस्थित सम्राट अशोक भवन के प्रांगण में 20 जुलाई को पूर्वाह्न में जिला स्तरीय वैश्य प्रतिनिधि सम्मेलन का आयोजन किया गया है।इस आशय की जानकारी देते हुए कार्यक्रम संयोजक जितेंद्र गुप्ता ने बताया कि औरंगाबाद जिले के सभी 11 प्रखंडों से वैश्य समाज के विकास एवं उत्थान में अग्रणी भूमिका निभाएं हैं,उन्हें इस सम्मेलन में सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम के दिन ओबरा विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी वैश्य समाज के लिए कदम से कदम मिलाकर चलने वाले प्रख्यात समाजसेवी प्रकाश चंद्रा एवं औरंगाबाद नगर परिषद के अध्यक्ष व वैश्य समाज के लिए समर्पित समाजसेवी उदय कुमार गुप्ता की गरिमामई उपस्थिति होगी।मीडिया प्रभारी सुरेश विद्यार्थी ने बताया कि इस कार्यक्रम के माध्यम से वैश्य समाज के लोग जिन्होंने समाज के लिए जिस क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभाई है वे लोग इस कार्यक्रम में जरूर भाग लें जिससे लोग जान सके कि हमारी भूमिका कितनी महत्वपूर्ण है।

मतदाता विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम में लापरवाही बरतने वाले प्रखंड सांख्यिकी पदाधिकारी देव के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज करने का निर्देश जारी किया गया

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद - जिले में इन दिनों मतदाता विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम चल रहा है इसी कड़ी में लापरवाही बरतने पर प्रखंड सांख्यिकी पदाधिकारी, देव के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज करने का निर्देश जारी किया गया। बताते चलें कि मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम 2025 के तहत जारी कार्यों में गंभीर लापरवाही, अनुशासनहीनता एवं कर्तव्य से विमुखता का मामला प्रकाश में आया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, देव प्रखंड के प्रखंड सांख्यिकी पदाधिकारी श्री जितेन्द्र सिंह द्वारा निर्वाचन संबंधी कार्यों के प्रति उदासीनता बरती गई, साथ ही वरीय पदाधिकारी के निदेशों की बार-बार अवहेलना की गई। प्रखंड विकास पदाधिकारी, देव द्वारा जिला पदाधिकारी को प्रतिवेदित किया गया कि दिनांक 03.07.2025 को श्री जितेन्द्र सिंह निर्धारित समय से काफी विलंब से अपराह्न 2:00 बजे कार्यालय पहुंचे। जब उनसे इस बाबत पूछताछ की गई, तो उन्होंने अनुशासनहीन आचरण करते हुए आपत्तिजनक व्यवहार किया एवं प्रखंड कार्यालय में अनुचित वातावरण उत्पन्न किया। निर्वाचन आयोग के निदेशानुसार, विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत सभी पदाधिकारियों को पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य में योगदान देना अनिवार्य है। लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 13(ग)(ग) के अंतर्गत ऐसे सभी अधिकारी निर्वाचन आयोग के नियंत्रण, अधीक्षण एवं अनुशासन के अधीन माने जाते हैं। श्री जितेन्द्र सिंह के व्यवहार को देखते हुए जिला पदाधिकारी श्री श्रीकान्त शास्त्री (भा.प्र.से.) द्वारा इसे अत्यंत गंभीरता से लिया गया है। उनके निदेशानुसार, इस अनुशासनहीनता, लापरवाही एवं निर्वाचन कार्यों में विघ्न डालने के आरोप में श्री जितेन्द्र सिंह, प्रखंड सांख्यिकी पदाधिकारी, देव के विरुद्ध लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 की सुसंगत धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज करने का निर्देश पुलिस अधीक्षक, औरंगाबाद को दिया गया है। जिला प्रशासन निर्वाचन कार्यों की निष्पक्षता एवं शुचिता बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही को कदापि स्वीकार नहीं किया जाएगा।

सेल ने वैश्विक उपस्थिति को मजबूत बनाने के लिए दुबई में खोला प्रतिनिधि कार्यालय

एजेंसी
नई दिल्ली। देश एवं सार्वजनिक क्षेत्र की सबसे बड़ी इस्पात उत्पादक कंपनियों में से एक स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) ने वैश्विक उपस्थिति बढ़ाने के लिए दुबई में अपना पहला प्रतिनिधि कार्यालय खोला है। सेल का मध्य पूर्व में पहला अंतरराष्ट्रीय कार्यालय इसकी वैश्विक विस्तार रणनीति में एक महत्वपूर्ण कदम है। सेल के दुबई स्थित इस कार्यालय का उद्घाटन केंद्रीय इस्पात एवं भारी उद्योग मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने 3 जुलाई को किया। उद्घाटन अवसर पर भारत के महावाणिज्यदूत सतीश कुमार सिवन, सेल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक अमरेंदु प्रकाश, एनएमडीसी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक अमिताभ मुखर्जी, इस्पात मंत्रालय में संयुक्त सचिव वीके त्रिपाठी तथा सेल, इस्पात मंत्रालय, एनएमडीसी और मेकॉन के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। मंत्रालय के मुताबिक रणनीतिक केंद्र के रूप में स्थापित दुबई कार्यालय सेल के इस्पात निर्यात को बढ़ावा देने, उद्योग संबंधों को और परिष्कृत बनाने और भारत-यूएई व्यापार संबंधों को मजबूत करने में सहायता प्रदान करेगा। मध्य पूर्व और उत्तरी अफ्रीका (एमईएनए) क्षेत्र के प्रवेश द्वार के रूप में दुबई की भूमिका और निवेशक अनुकूल वातावरण इसे उभरते बाजारों में विस्तार के लिए एक आदर्श आधार बनाता है।

ऐडकाउंटी मीडिया की मजबूत एंट्री से खुश हुए निवेशक, लिस्टिंग के बाद पहले लोअर और फिर लगा अपर सर्किट

नई दिल्ली। डिजिटल मार्केटिंग सॉल्यूशंस मुहैया कराने वाली कंपनी ऐडकाउंटी मीडिया के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में जोरदार एंट्री करके अपनी ताकत दिखाई। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 85 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बंबई स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी एंट्री 52.94 प्रतिशत लिस्टिंग गेन के साथ 130 रुपये के स्तर पर हुई। जोरदार लिस्टिंग के तुरंत बाद मुनाफा वसूली के चक्कर में बिकवाली शुरू हो जाने के कारण कुछ ही देर में ये शेयर 123.50 रुपये के लोअर सर्किट लेवल तक पहुंच गया। इसर जोरदार गिरावट के बाद खरीदारों ने भी लिवाली का जोर दिखाया, जिसकी वजह से थोड़ी ही देर में ये शेयर लोअर सर्किट ब्रेक करके शानदार तेज दिखाते हुए 136.50 रुपये के अपर सर्किट लेवल पर पहुंच गया। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 60.59 प्रतिशत का फायदा हो गया है।

ऐडकाउंटी मीडिया का 50.69 करोड़ रुपये का आईपीओ 26 जून से एक जुलाई के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जोरदार रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 273.08 गुना सब्सक्राइब हो गया था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 137.33 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 555.79 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 229.37 गुना सब्सक्राइब हुआ था।

स्टॉक मार्केट में नीतू योशी की धांसू एंट्री, प्रीमियम लिस्टिंग के बाद लगा अपर सर्किट

नई दिल्ली। फेरस मेटलर्जिकल प्रोडक्ट्स बनाने वाली कंपनी नीतू योशी के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में जबरदस्त एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश किया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 75 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी एंट्री 40 प्रतिशत लिस्टिंग गेन के साथ 105 रुपये के स्तर पर हुई। हालांकि लिस्टिंग के तुरंत बाद बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण ये शेयर गिर कर 100.20 रुपये के स्तर पर पहुंच गया लेकिन थोड़ी ही देर बाद खरीदारी शुरू हो गई, जिसके कारण ये शेयर 110.25 रुपये के अपर सर्किट लेवल पर पहुंच गया। इस तरह कंपनी के आईपीओ निवेशकों को पहले दिन के कारोबार में ही 47 प्रतिशत का फायदा हो चुका है। नीतू योशी का 77.04 करोड़ रुपये का आईपीओ 27 जून से एक जुलाई के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 128.18 गुना सब्सक्राइब हो गया था।

सेबी का अमेरिकी ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म जेन स्ट्रीट के खिलाफ सख्त एक्शन, स्टॉक मार्केट में कारोबार पर लगी रोक

नई दिल्ली। मार्केट रेगुलेटर सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) ने अमेरिकी ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म जेन स्ट्रीट और इससे जुड़ी एंटिटीज के भारतीय शेयर बाजार में एंट्री करने पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी है। सेबी के अंतरिम आदेश में कहा गया है कि वो जेन स्ट्रीट से 48.4 अरब रुपये यानी लगभग 570 मिलियन डॉलर की राशि जब्त करेगा। सेबी का कहना है कि ये राशि जेन स्ट्रीट ने अवैध रूप से अर्जित की गई की है। जेन स्ट्रीट को ये पैसा एक एस्क्रो एकाउंट में जमा करना होगा। मार्केट रेगुलेटर के फैसले से अमेरिकी ट्रेडिंग फर्म को जबरदस्त झटका लगा है।

भारत ने दिखाया है कि कैसे पैमाना और गति एक साथ चल सकते हैं : वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण

एजेंसी
रियो डी जेनेरियो। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने जोर देकर कहा कि भारत एक अग्रणी उभरती अर्थव्यवस्था और वैश्विक स्तर पर प्रभाव पैदा करने वाले देश के रूप में अपनी दोहरी भूमिका के साथ न केवल अपने लिए, बल्कि अपनी आकांक्षाओं को साझा करने वाले सभी लोगों के लिए परिवर्तन का नेतृत्व करते हुए मजबूत स्थिति में है। आधिकारिक यात्रा के दौरान चैलेंजेस फॉर फाइनेंसिंग सस्टेनेबल डेवलपमेंट फॉर द ग्लोबल साउथ विषय पर फ्लैगशिप गवर्नर्स सेमिनार को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा कि ग्लोबल साउथ में सस्टेनेबल डेवलपमेंट को वित्तपोषित करना केवल धन जुटाने के बारे में नहीं है, यह निष्पक्षता, विश्वास और नेतृत्व का निर्माण करने से भी जुड़ा है। उन्होंने उपस्थित लोगों से कहा, ÷भारत के लिए, लाखों लोगों के लिए आवास, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा

और आजीविका तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए विकास में तेजी लाना आवश्यक है। साथ ही, हीटवेव, वॉटर स्ट्रेस और एक्स्ट्रीम वेदर की घटनाओं जैसे जलवायु संबंधी जोखिम भी बढ़ रहे हैं। भारत नेशनल इलेक्ट्रिक मोबिलिटी मिशन और प्रांत-स्तरीय जलवायु कार्रवाई योजनाओं जैसी पहलों के माध्यम से उन्हें इंटीग्रेट करने के लिए तेजी से काम कर रहा है÷वित्त मंत्री ने कहा, वास्तविक चुनौती डेवलपमेंट और सस्टेनेबिलिटी के बीच चयन करना नहीं है, बल्कि खास तौर पर उभरते बाजारों और विकासशील देशों (ईएमडीई) के साथ साझेदारी में ऐसी नीतियां तैयार करना है, जो समावेशी विकास को बढ़ावा दें और सस्टेनेबल डेवलपमेंट को मजबूत करें। वित्त मंत्री ने आगे कहा, जैसा कि हम 2030 के एजेंडे की ओर प्रयास कर रहे हैं, कोरोना महामारी के बाद विकासशील देशों में सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल (एसडीजी) के लिए वित्तपोषण का अंतर सालाना 4.2 ट्रिलियन डॉलर से अधिक हो गया है, जो महत्वाकांक्षा और वास्तविकता के बीच बढ़ते अंतर को दर्शाता है। उन्होंने कहा, भारत एक अनोखे चौराहे पर खड़ा है। एक अरब लोगों की आकांक्षाएं तेजी से बदलते ग्रह की अनिवार्यताओं के साथ मिलती हैं। भारत ने दिखाया है कि कैसे पैमाना और गति एक साथ चल सकते हैं। यूपीआई, आधार और जन धन जैसी परिवर्तनकारी नीतिगत पहलों के माध्यम से, देश ने वित्तीय समावेशन को अंतिम मील तक पहुंचाया है।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 4.84 अरब डॉलर बढ़कर 700 अरब डॉलर के पार

एजेंसी
मुंबई। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 27 जून को समाप्त हफ्ते में 4.84 अरब डॉलर बढ़कर 702.78 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इससे पिछले हफ्ते में विदेशी मुद्रा भंडार 1.01 अरब डॉलर घटकर 697.93 अरब डॉलर रहा था। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के मुताबिक 27 जून को समाप्त हफ्ते में स्वर्ण भंडार का मूल्य 1.23 अरब डॉलर घटकर 84.5 अरब डॉलर रह गया।साथ ही विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 15.8 करोड़ डॉलर बढ़कर 18.83 अरब डॉलर हो गया। केंद्रीय बैंक के अनुसार इस अवधि में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास भारत का आरक्षित भंडार भी 17.6 करोड़ डॉलर बढ़कर 4.62 अरब डॉलर हो गया। देश का विदेशी मुद्रा भंडार सितंबर, 2024 के अंत में बढ़कर 704.88 अरब डॉलर के अबतक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था।

सरकार ने उपभोक्ताओं से बीआईएस प्रमाणित हेलमेट के उपयोग का आग्रह किया

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने सड़क सुरक्षा की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए देशभर के उपभोक्ताओं से केवल भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) प्रमाणित हेलमेट के उपयोग की अपील की। मोटर वाहन अधिनियम, 1988 के तहत हेलमेट पहनना अनिवार्य है। उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय की तरफ से दी गई जानकारी के मुताबिक उपभोक्ता मामलों के विभाग ने बीआईएस प्रमाणीकरण के बिना हेलमेट के निर्माण या बिक्री के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का आह्वान किया। मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक भारत में सड़कों पर 21 करोड़ से ज़्यादा दोपहिया वाहन हैं। मोटर वाहन अधिनियम, 1988 के तहत हेलमेट पहनना अनिवार्य है, लेकिन इसकी प्रभावशीलता गुणवत्ता पर निर्भर करती है। घटिया हेलमेट सुरक्षा से समझौता करते हैं और अपने उद्देश्य को विफल करते हैं। भारतीय मानक

ब्यूरो ने वित्त वर्ष 2024-25 में 500 से ज्?यादा हेलमेटों का परीक्षण करते हुए 30 से अधिक तलाशी और जब्ती अभियान चलाए।

उपभोक्ता मामलों के विभाग ने नई दिल्ली में नौ निर्माताओं से 2,500 गैर-अनुपालन वाले हेलमेट जब्त किए गए, जिनके लाइसेंस समाप्त हो चुके हैं या रद्द कर दिए गए हैं। घटिया हेलमेट सुरक्षा से समझौता करते हैं और अपने उद्देश्य को विफल करते हैं। इस समस्या से निपटने के लिए, 2021 से एक गुणवत्ता नियंत्रण आदेश लागू किया गया है, जिसके तहत सभी दोपहिया सवारों के लिए बीआईएस मानकों (ढ्ढस् 4151:2015) के तहत प्रमाणित आईएसआई -चिह्नित हेलमेट पहनना अनिवार्य है।

एलआईसी ने नव जीवन श्री और नव जीवन श्री सिंगल प्रीमियम स्कीम लॉन्च की

एजेंसी
मुंबई। सार्वजनिक क्षेत्र की बीमा कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने दो नई स्कीमें शुरू की हैं। इनमें से एक एलआईसी की नव जीवन श्री (प्लान 912) है, जबकि दूसरी एलआईसी की नव जीवन श्री सिंगल प्रीमियम (प्लान 911) है। एलआईसी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एवं एमडी (प्रभारी) सतपाल भानु ने यहां एलआईसी की नई योजनाएं नव जीवन श्री और नव जीवन श्री सिंगल प्रीमियम लॉन्च कीं।

ये दोनों नई योजनाएं बचत और सुरक्षा का संयोजन हैं, इन्हें विशेष रूप से हमारे जीवन चक्र की विभिन्न आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त कोष बनाने के लिए डिजाइन किया गया है। एलआईसी ने एक बयान में कहा कि एलआईसी की नव जीवन श्री का उद्देश्य विशेष रूप से युवा पीढ़ी के व्यक्तियों की सभी जरूरतों को

पूरा करना है, जो अपने सपनों, लक्ष्यों, जिम्मेदारियों को पूरा करके सुरक्षा भी प्रदान करना चाहते हैं। इसी तरह नव जीवन श्री सिंगल प्रीमियम पॉलिसी जीवन बीमा प्रदान करने के साथ-साथ कोष बनाने के लिए है। एलआईसी का कहना है कि वर्तमान परिवेश में जब ब्याज दरें बहुत अस्थिर हैं, तो ये दोनों योजनाएं पूरी पॉलिसी अवधि के दौरान गारंटीकृत अतिरिक्त लाभ प्रदान करती हैं।

देश की अर्थव्यवस्था में एमएसएमई का दूसरा सबसे बड़ा योगदान : जीतन राम मांझी

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने देश की अर्थव्यवस्था में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) को दूसरा सबसे बड़ा योगदान देने वाला बताया है। उन्होंने इस क्षेत्र में हुई प्रगति के बारे में कहा कि एमएसएमई भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) उत्पाद का 30.1 फीसदी हिस्सा है। उन्?होंने कहा कि एमएसएमई देश में विनिर्माण का 35.4 फीसदी और निर्यात का 45.73 फीसदी हिस्सा है। केंद्रीय एमएसएमई मंत्री ने 3 जुलाई को मुंबई में विद्युत मापन उपकरण डिजाइन संस्थान (आईडीईएमआई) और खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) कार्यालय का दौरा करके समीक्षा बैठक की। इसके संवाददाता सम्मेलन में कहा कि उद्यम पोर्टल पर 6.5 करोड़ एमएसएमई इकाइयां पंजीकृत हैं और अबतक 28 करोड़ लोगों को रोजगार के अवसर मिले हैं। मांझी ने बताया कि 1 जुलाई, 2020 को लॉन्च किये

गए उद्यम पोर्टल पर 3.80 करोड़ से अधिक इकाइयां पंजीकृत हैं। उन्?होंने कहा कि अनौपचारिक सूक्ष्म उद्यमों का समर्थन करने और उन्हें प्राथमिकता क्षेत्र ऋण जैसे औपचारिक लाभों तक पहुंच प्रदान करने के लिए 11 जनवरी, 2023 को लॉन्च किए गए उद्यम सहायता पोर्टल के डेटाबेस में 2.72 करोड़ से अधिक इकाइयां हैं। उन्होंने कहा कि इन 6.5 करोड़ एमएसएमई इकाइयों ने मिलकर आजतक 28 करोड़ लोगों को रोजगार के अवसर प्रदान किए हैं। प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के बारे में केंद्रीय मंत्री ने कहा कि ये योजना 18 व्यवसायों के कारीगरों और शिल्पकारों को अंतिम सहायता प्रदान करती है। उन्?होंने कहा कि प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) गैर-कृषि क्षेत्र में सूक्ष्म उद्यमों की स्थापना के जरिए स्वरोजगार के अवसर पैदा करने के उद्देश्य से एक प्रमुख ऋण-लिंक्ड सब्सिडी कार्यक्रम है। माझी ने बताया कि इस कार्यक्रम ने 80.33 लाख लोगों को रोजगार हासिल करने में सहायता की। इनमें से 80 फीसदी ग्रामीण क्षेत्रों में थे। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सूक्ष्म और लघु उद्यमों के लिए क्रेडिट गारंटी फंड ट्रस्ट द्वारा स्थापना के बाद से 9.80 लाख करोड़ रुपये की 1.18 करोड़ से अधिक क्रेडिट गारंटी को क्रेडिट गारंटी योजना (सीजीएस) के तहत मंजूरी दी गई, जिसमें पिछले वित्त वर्ष 2024-25 में अकेले 3 लाख करोड़ रुपये की रिकॉर्ड क्रेडिट गारंटी दी गई।

एनपीएस के तहत मिलने वाले कर लाभ नई एकीकृत पेंशन योजना में भी मिलेंगे

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) के तहत सभी कर लाभों को नई एकीकृत पेंशन योजना (यूपीएस) के लिए भी लागू करने का फैसला लिया है। एनपीएस के तहत उपलब्ध सभी कर लाभ यूपीएस पर लागू होंगे। नई पेंशन योजना को आसान बनाने के लिए पेंशन फंड नियामक और विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) ने इस वर्ष 19 मार्च को जरूरी नियम और विनियम जारी किये थे। वित्त मंत्रालय के मुताबिक अब नवीनतम निर्णय के साथ सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि यूपीएस चुनने वाले कर्मचारियों को एनपीएस के तहत उपलब्ध समान कर राहत और प्रोत्साहन मिलेगा। इसमें योगदान पर कटौती और अन्य कर-बचत लाभ शामिल हैं, जो इस योजना को वित्तीय रूप से अधिक आकर्षक बनायेगा। यह निर्णय दोनों योजनाओं के बीच समानता लाएगा और पारंपरिक एनपीएस के बजाय यूपीएस चुनने वाले कर्मचारियों के लिए समान अवसर प्रदान करेगा। यूपीएस को कर ढांचे के अंतर्गत शामिल करना केन्द्रीय कर्मचारियों के लिए सेवानिवृत्ति सुरक्षा को मजबूत करने का प्रयास है। एकीकृत पेंशन योजना (यूपीएस) भारत में केंद्र सरकार के कर्मचारियों के लिए एक पेंशन योजना है, जिसे राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) के साथ एक विकल्प के रूप में पेश किया गया है। इस योजना का उद्देश्य सरकारी कर्मचारियों के लिए सेवानिवृत्ति के पश्चात पूर्वानुमानित और सुरक्षित अधिक आय प्रदान करना है। इस योजना में एक सुनिश्चित पेंशन के लिए सरकार कर्मचारी के मूल वेतन और महंगाई भत्ते का 18.5 फीसदी और कर्मचारी 10 फीसदी योगदान देता है।

अमेरिका के साथ व्यापार समझौते पर अभी सहमति नहीं, कुछ मुद्दों पर बातचीत बाकी

एजेंसी
नई दिल्ली। अमेरिका के साथ भारत के अंतरिम व्यापार समझौते पर अभी सहमति नहीं बनी है। कृषि और वाहन क्षेत्र से जुड़े कुछ मुद्दों पर बातचीत अभी बाकी है। इसके 9 जुलाई से पहले किसी निष्कर्ष पर पहुंचने की उम्मीद है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि अमेरिका के साथ अंतरिम व्यापार समझौते पर वार्ता अंतिम चरण में है। इसके निष्कर्ष की घोषणा 9 जुलाई से पहले होने की उम्मीद है। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल के नेतृत्व में भारतीय प्रतिनिधिमंडल वाशिंगटन से वापस आ गया है। इस समझौते पर बातचीत जारी रहेगी। भारतीय टीम 26 जून से 2 जुलाई तक अमेरिका के साथ

अंतरिम व्यापार समझौते पर बातचीत के लिए वाशिंगटन में थी। भारत ने अमेरिकी कृषि और डेयरी उत्पादों को शुल्क रियायत देने पर अपना रुख कड़ा कर लिया है क्योंकि ये राजनीतिक रूप से संवेदनशील क्षेत्र हैं। दोनों पक्ष उससे पहले वार्ता को अंतिम रूप देने पर विचार कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि ये बातचीत इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि ट्रंप प्रशासन के पारस्परिक टैरिफ़ का निलंबन 9 जुलाई को समाप्त हो रहा है। अमेरिका ने 2 अप्रैल को भारतीय वस्तुओं पर 26 फीसदी का अतिरिक्त पारस्परिक शुल्क लगाया था, लेकिन इसे 90 दिनों के लिए स्थगित कर दिया गया है। हालांकि, अमेरिका की ओर से लगाया गया 10 फीसदी का बेसलाइन शुल्क अभी भी लागू है, लेकिन भारत अतिरिक्त 26 फीसदी शुल्क से पूरी छूट चाहता है।

हरित विनिर्माण और संसाधन सुरक्षा को बढ़ाने के लिए एल्युमीनियम विजन दस्तावेज जारी

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने हैदराबाद में सतत एवं जिम्मेदार खनन पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में एल्युमीनियम विजन दस्तावेज जारी किया। इस दस्तावेज़ में 2047 तक एल्युमीनियम उत्पादन को छह गुना बढ़ाने के लिए एक रणनीतिक रोडमैप की रूपरेखा दी गई है। मंत्री रेड्डी ने कहा कि एल्युमीनियम विज़न दस्तावेज़ एक आत्मनिर्भर और संसाधन-सुरक्षित भारत के निर्माण के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इसके साथ ही उन्होंने स्वच्छ ऊर्जा प्रणालियों, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और आधुनिक बुनियादी ढांचे को सक्षम करने में एल्युमीनियम क्षेत्र की रणनीतिक भूमिका पर प्रकाश डाला। खान मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि इस दस्तावेज में एल्युमीनियम उत्पादन को छह गुना

बढ़ाने, बॉक्साइट क्षमता को 150 मिलियन टन प्रतिवर्ष (एमटीपीए) तक बढ़ाने, रीसाइक्लिंग को बढ़ावा देने और हरित प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देने के लिए एक साहसिक रोडमैप की रूपरेखा दी गई है, जो कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत 2047 के दृष्टिकोण के अनुरूप है।

मंत्रालय ने बताया कि यह दस्तावेज़ राष्ट्रीय एल्युमीनियम कंपनी लिमिटेड (नाल्को), हिंडाल्को इंडस्ट्रीज लिमिटेड, वेदांता लिमिटेड, जवाहरलाल नेहरू एल्युमीनियम अनुसंधान विकास और डिजाइन केंद्र (जेएनएआरडीडीसी) और एल्युमीनियम एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एएआई), एल्युमीनियम सेकेंडरी मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (एएसएमए) और मेटल रिसाइक्लिंग एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एमआरएआई) जैसे प्रमुख संघों सहित उद्योग के हितधारकों के साथ व्यापक परामर्श के माध्यम से तैयार किया गया है।

एनसीएच ने पिछले दो महीनों में उपभोक्ताओं को वापस किए 7.14 करोड़ रुपये

एजेंसी
नई दिल्ली। राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन (एनसीएच) ने पिछले दो महीनों में उपभोक्ताओं को 7.14 करोड़ रुपये का रिफंड उपलब्ध कराया है। ये महत्वपूर्ण निवारण 30 क्षेत्रों में किया गया है, जिसमें रिफंड दावों से संबंधित 15,426 उपभोक्ता शिकायतों का प्रभावी ढंग से समाधान किया गया। उपभोक्ता, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मामलों के मंत्रालय के मुताबिक उल्लेखनीय रूप से ई-कॉमर्स क्षेत्र में सबसे अधिक 8,919 शिकायतें दर्ज की गई, जबकि सबसे अधिक 3.69 करोड़ रुपये की राशि का रिफंड किया गया। इसके बाद ट्रैवल और टूरिज्म सेक्टर का स्थान रहा, जिसमें 81 लाख रुपये का रिफंड किया गया। ई-कॉमर्स रिफंड से संबंधित शिकायतें पूरे देश से आई, जिनमें सबसे अधिक (1242) उत्तर प्रदेश से और यहां तक कि सिक्किम और दादरा एवं नगर हवेली जैसे छोटे क्षेत्रों से भी शिकायतें दर्ज की गई, जो वास्तव में एक राष्ट्रव्यापी उपभोक्ता निवारण मंच के रूप में एनसीएच की प्रभावशीलता को दर्शाता है। एनसीएच, भारत सरकार के उपभोक्ता मामले विभाग की एक प्रमुख पहल है, जो उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 के तहत उपभोक्ता आयोगों पर बोझ को कम करते हुए उपभोक्ता शिकायतों को तेजी से और सौहार्दपूर्ण ढंग से हल करने में महत्वपूर्ण पूर्व मुकदमेबाजी भूमिका निभाती है।

पूरे दिन उतार-चढ़ाव के बाद मजबूती के साथ शेयर बाजार बंद, सेंसेक्स और निफ्टी उछले

एजेंसी
नई दिल्ली। पूरे दिन उतार चढ़ाव का सामना करने के बाद घरेलू शेयर बाजार आज आखिरी घंटे के कारोबार में हुई खरीदारी के कारण मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहा। आज के कारोबार की शुरुआत भी मामूली बढ़त के साथ ही हुई थी। बाजार खुलते ही बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों ने लाल निशान में गोता लगा दिया। बाजार में दोपहर 2 बजे के बाद तक कमजोरी बनी रही। इसके बाद शुरू हुई खरीदारी की वजह से शेयर बाजार ने रिकवरी करके दोबारा हरे निशान में अपनी जगह बना ली। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.23 प्रतिशत और निफ्टी 0.22 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए।

आज दिन भर के कारोबार के दौरान आईटी, ऑयल एंड गैस और रियल्टी सेक्टर के शेयरों में लगातार खरीदारी होती रही। इसी तरह बैंकिंग, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, एफएमसीजी, हेल्थकेयर, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और टेक इंडेक्स भी मजबूती के साथ बंद हुए। ऑटोमोबाइल और मेटल सेक्टर के शेयरों में आज लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में भी आज आमतौर पर खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.23 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.17 प्रतिशत की बढ़त के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब एक लाख करोड़ रुपये का इजाफा हो गया। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 461.18 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। पिछले कारोबारी दिन यानी गुरुवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 460.26 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 92 हजार करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,189 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,261 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,788 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 140 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,637 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,426 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,211 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 20 शेयर बढ़त के साथ और 10 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 29 शेयर हरे निशान में और 21 शेयर लाल निशान में बंद हुए। कारोबार की शुरुआत होने के कुछ देर बाद बिकवाली के दबाव के कारण इस सूचकांक ने लाल निशान में गोता लगा दिया। लगातार हो रही बिकवाली की वजह से दोपहर 12 बजे के थोड़ी देर पहले तक ये सूचकांक 223.64 अंक टूट कर 83,015.83 अंक के स्तर तक गिर गया था। इसके बाद बाजार में खरीदारी शुरू हो गई, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में सुधार होने लगा। हालांकि दोपहर 2:30 बजे के बाद खरीदारी में अचानक काफी तेजी आ गई, जिसके कारण आज का कारोबार खत्म होने के थोड़ी देर पहले ये सूचकांक 238.39 अंक की मजबूती के साथ 83,477.86 अंक के स्तर पर पहुंच गया?। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 193.42 अंक की बढ़त के साथ 83,432.89 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 23.55 अंक उछल कर 25,428.85 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलने के कुछ देर बाद मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण इस सूचकांक में गिरावट आ गई। लगातार हो रही बिकवाली के कारण दिन का पहला सत्र खत्म होने के थोड़ी देर पहले निफ्टी 73.65 अंक की कमजोरी के साथ 25,331.65 अंक के स्तर तक गिर गया। इसके बाद शुरू हुई खरीदारी से इस सूचकांक की स्थिति में भी धीरे-धीरे सुधार होना शुरू हुआ।

प्रेग्नेंट हैं

सोनाक्षी सिन्हा

पति जहीर इकबाल संग चैट ने खोला राज, सामने आई सच्चाई

साल 2024 में बॉलीवुड एक्ट्रेस सोनाक्षी सिन्हा ने शादी कर ली थी. वे अपनी शादी की वजह से खूब चर्चा में रही थीं. उन्होंने एक्टर जहीर इकबाल संग सात फेरे लिए. दोनों ही शादी के बाद से क्वालिटी टाइम स्पेंड कर रहे हैं और दोनों को कुछ मौकों पर साथ में भी स्पॉट किया गया है. सोनाक्षी सिन्हा हाल-फिलहाल में जब लाइमलाइट में आईं तो उनको लेकर ये अफवाह भी खूब जोरों पर रही कि वे प्रेग्नेंट हैं. अब एक्ट्रेस ने अपने हसबैंड जहीर इकबाल संग एक पोस्ट शेयर की है. उन्होंने बताया कि क्यों आखिर उनकी प्रेग्नेंसी को लेकर इतनी बातें हो रही हैं.सोनाक्षी सिन्हा ने इंस्टाग्राम पर जहीर इकबाल संग अपनी बातचीत का स्क्रीनशॉट शेयर किया है. इसमें जहीर उनसे पूछते हैं- क्या तुम भूखी हो. जवाब में सोनाक्षी कहती हैं कि बिल्कुल भी नहीं. तुम मुझे खिलाना छोड़ो. फिर जहीर पूछते हैं कि मुझे लगा ये हॉलीडे था. इसके जवाब में सोनाक्षी कहती हैं कि मैंने अभी-अभी तो तुम्हारे सामने ही खाना खाया है. अब तुम बस करो. इसके बाद जहीर कहते हैं- आई लव यू. जवाब में सोनाक्षी कहती हैं- मैं भी तुमसे बहुत प्यार करती हूं.

जहीर जिस तरह से सोनाक्षी की केयर कर रहे हैं उसे लेकर ही लोगों को ये लग रहा है कि कहीं सोनाक्षी प्रेग्नेंट तो नहीं हैं. लेकिन अब सोनाक्षी ने इस बात का जवाब दे दिया है और बता दिया है कि फिलहाल के लिए तो ऐसा कुछ भी नहीं है. सोनाक्षी और जहीर ने साल 2024 में शादी की थी. इस शादी में खास महमान नजर आए थे और इस दौरान की फोटोज भी खूब वायरल हुई थीं. हालांकि घरवालों के खिलाफ जाकर शादी करने की वजह से तनाव का माहौल भी नजर आया था.

वर्क फ्रंट पर क्या कर रही हैं सोनाक्षी सिन्हा ?

सोनाक्षी सिन्हा की बात करें तो एक्ट्रेस अपनी पर्सनल लाइफ के साथ ही प्रोफेशनल लाइफ में भी काफी सामंजस्य बनाकर चल रही हैं.

ओटीटी में धाकड़ जैसी दमदार सीरीज और हीरामंडी में डबल रोल करने के बाद सोनाक्षी सिन्हा के हौसले काफी बुलंद है. साल 2024 में वे काकुड़ा और बड़े मियां छोटे मियां जैसी फिल्मों का हिस्सा रही थीं. साल 2025 की बात करें तो उनकी फिल्म निकिता रॉय रिलीज होने जा रही है. फिल्म की रिलीज को फिलहाल बॉक्स ऑफिस क्लैश की वजह से आगे के लिए शिफ्ट कर दिया गया है.

सनी देओल-सलमान खान की फिल्म में की एक्टिंग, बिग बॉस का रहा हिस्सा, 8 सालों से कहां है ये एक्टर?

बॉलीवुड एक ऐसी इंडस्ट्री है जहां दुनियाभर के लोग अपना भाग्य आजमाने के लिए आते हैं. कई एक्टर्स उनमें से ऐसे रहते हैं जो लंबी पारी खेलते हैं. वहीं कई एक्टर्स ऐसे भी होते हैं जिनका करियर उतना लंबा नहीं चलता लेकिन वे अपना नाम कमा ले जाते हैं. आज हम बात कर रहे हैं एक ऐसे एक्टर की जिसने लीड रोल में अपने करियर की शुरुआत की थी. इसके बाद इस एक्टर ने कई साइड रोल्स भी किए. ये एक्टर बिग बॉस का हिस्सा भी रहा. मगर अब इन्हें फिल्मों में आपने कम ही देखा होगा. हम बात कर रहे हैं आर्यन वैद की जो अपना 49वां जन्मदिन मना रहे हैं. आइये जानते हैं कि आजकल एक्टर कहां हैं और क्या कर रहे हैं.

कई कला में माहिर हैं आर्यन वैद

आर्यन वैद का जन्म 4 जुलाई 1976 को मुंबई में हुआ था. आर्यन एक मॉडल रहे हैं और उन्होंने साल 2000 में मिस्टर इंटरनेशनल का अवॉर्ड भी जीता था. उन्होंने शुरुआत में मुंबई में पृथ्वी थिएटर्स के लिए भी कुछ स्टेज शोज किए. वे लाइफस्टाइल कॉलमनिस्ट भी रहे हैं और वे एक ट्रेंड शेफ भी हैं. आर्यन ने बॉलीवुड में अपने करियर की शुरुआत लीड एक्टर के तौर पर किए थे. इसके बाद वे फिल्मों में सपोर्टिंग रोल में भी नजर आए. मगर उन्हें वैसी सफलता नहीं मिली.

2003 में किया था करियर शुरू

साल 2003 में मार्केट फिल्म से लीड एक्टर के तौर पर आर्यन ने अपने करियर की शुरुआत की थी. इसके बाद वे चाहत एक नशा, दुबई बाबू, फन, नाम गुम जाएगा, एक जिद एक जान, मनोरंजन, देशद्रोही, अपने और वीर जैसी फिल्म में काम किया था. वीर फिल्म में वे सलमान खान के साथ नजर आए थे वहीं अपने फिल्म में वे सनी देओल के साथ नजर आए थे. उन्होंने वेलकम, रब से सोना इश्क, उड़ान और संतोषी मां जैसे सीरियल्स में काम किया.

पिछले कुछ सालों से लाइमलाइट से हैं दूर

आर्यन वैद पिछले कुछ सालों से लाइमलाइट से एकदम दूर हैं. उनकी पिछली फिल्म राजा थी जो साल 2019 में आई थी. लेकिन ये एक भोजपुरी फिल्म थी. वहीं वे 2017 में पिछली बार संतोषी मां नाम के सीरियल में इंद्र देव का रोल प्ले करते हुए नजर आए थे. मगर पिछले 8 सालों से वे वर्क फ्रंट पर एक्टिव नजर नहीं आए हैं. लेकिन एक्टर अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर जरूर चर्चा में आए थे. साल 2018 में पहली शादी टूटने के बाद आर्यन ने 2022 में फ्लोरीडा की महिला अरिन एरिन वॉरेन से शादी रचा चुके हैं. सोशल मीडिया पर दोनों की कुछ फोटोज भी वायरल हैं.

28 साल पहले इस सस्पेंस-थ्रिलर फिल्म में विलेन बनी थीं काजोल, बॉबी देओल की कर दी थी सिट्टी-पिट्टी गुल

27 साल पहले बॉलीवुड की एक फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर खूब धमाल मचाया था. उस फिल्म के गाने, कहानी और डायलॉग्स सब कमाल थे लेकिन लोगों को सबसे ज्यादा हैरानी इस बात कर हुई कि फिल्म में काजोल का निगेटिव रोल था जो दमदार रहा. फिल्म में काजोल के अलावा एक और हीरोइन थी जबकि एक लीड हीरो था. फिल्म की कहानी कुछ ऐसी लिखी गई है कि आखिर तक आप समझ नहीं पाएंगे कि मेन विलेन आखिर है कौन ?फिल्म गुप्त: द हिडेन ट्रुथ में लीड एक्टर बॉबी देओल थे और ये उनकी उन फिल्मों में एक थी, जो जबरदस्त हिट साबित हुई थी. वहीं दूसरी हीरोइन मनीषा कोईराला थीं और इस फिल्म के जरिए उनके करियर में एक और सुपरहिट जुड़ गई थी. चलिए फिल्म गुप्त: द हिडेन ट्रुथ की कहानी से लेकर इसके डायरेक्टर, स्टारकास्ट और बॉक्स ऑफिस कलेक्शन पर विस्तार से चर्चा करते हैं.

'गुप्त: द हिडेन ट्रुथ' की कमाई कितनी हुई थी ?

4 जुलाई 1997 को रिलीज हुई फिल्म 'गुप्त:द हिडेन ट्रुथ' के डायरेक्टर राजीव राय थे. फिल्म के प्रोड्यूसर राजीव राय और गुलशन राय थे. वहीं फिल्म में विजु शाह का म्यूजिक डायरेक्शन था. फिल्म की लीड स्टारकास्ट बॉबी देओल, काजोल और मनीषा कोईराला थे. वहीं परेश रावल, प्रेम चोपड़ा, दलिप ताहिल, रजा मुराद, ओम पुरी और कुलभूषण खरबंदा जैसे स्टार्स ने भी अहम किरदार निभाए थे. अगर कमाई की बात करें तो Sacnilk के मुताबिक, फिल्म का बजट 9 करोड़ था जबकि इसका वर्ल्डवाइड कलेक्शन 33.15 करोड़ था. इस फिल्म का वर्डिक्ट हिट साबित हुआ था.

किस ओटीटी पर देख सकते हैं 'गुप्त: द हिडेन ट्रुथ' ?

फिल्म गुप्त: द हिडेन ट्रुथ में लगभग 8 गाने थे जबकि इसमें 'गुप्त टाइल सॉन्ग', 'दुनिया हसीनो का मेला', 'मेरे ख्वाबों में', 'मेरे सनम' और 'ये प्यासी मोहब्बत' जैसे गाने हिट हुए थे. फिल्म में साहिल सिन्हा (बॉबी देओल) के ऊपर अपने फादर की हत्या का आरोप लग जाता है. लेकिन वो अपनी बेगुनाही को साबित करने के लिए कई कदम उठाता है. वहीं साहिल को जेल से बाहर आने के लिए शीतल (मनीषा कोईराला) उसकी मदद करती है. इसके बाद कहानी जो मोड़ लेती है वो बहुत दिलचस्प है. वहीं ईशा दीवान (काजोल) साहिल को पाने के लिए हर हद पार करती हैं.

ऐश्वर्या राय

की इन आदतों को बर्दाश्त करते हैं अमिताभ-अभिषेक, ननद को भी नहीं भाती भाभी की ये बात

अमिताभ बच्चन अपने बेटे अभिषेक बच्चन को हमेशा सपोर्ट करते हुए नजर आते हैं. जब भी अभिषेक की कोई फिल्म रिलीज होने वाली होती है, बिग बी अपने बेटे के काम की तारीफों के पुल बांधने लगते हैं. वहीं जब एक बार महानायक से उनकी बहू ऐश्वर्या राय की आदतों को लेकर सवाल किया गया, तो उन्होंने खुलकर बताया कि उन्हें उनकी कौन-सी आदत नहीं पसंद है. ऐश्वर्या और अभिषेक पिछले साल अपने तलाक की खबरों को लेकर काफी सुर्खियों में रहे. हालांकि ये सभी खबरें अफवाह निकलीं. लेकिन अब अमिताभ और अभिषेक ऐश्वर्या की तारीफ करते हुए नजर नहीं आते हैं.दरअसल एक बार करण जौहर के चैट शो कॉफी विद करण के मंच पर अमिताभ बच्चन ने अपनी बेटी श्वेता बच्चन के साथ शिरकत की थी. ये साल 2010 तक की बात है, जब बाप-बेटी की जोड़ी पहली बार साथ में किसी चैट शो पर पहुंची थी. इस दौरान दोनों ने अपने परिवार और घर के सदस्यों के बारे में कई सारी बातें भी की थीं. शो के रेपिड फायर राउंड के दौरान करण ने अमिताभ से पहले सवाल किया कि उन्हें अभिषेक की कौन सी आदत नहीं पसंद ?

अभिषेक-ऐश्वर्या की आदतों पर बोले अमिताभ

सवाल का जवाब देते हुए बिग बी ने तुरंत कहा, उन्हें अभिषेक का हिंदी में कम बातें करना पसंद नहीं आता. इसके बाद करण ने उनसे अगला सवाल पूछा कि उन्हें बहू ऐश्वर्या राय बच्चन की कौन सी बात पसंद नहीं आती ?

इसके जवाब में दिग्गज एक्टर ने कहा कि उनका टाइम मैनेजमेंट. अमिताभ और श्वेता के इस एपिसोड के ऑन एयर होने के 10 साल बाद, करण के चैट शो पर श्वेता और अभिषेक भी पहुंचे थे.

ऐश्वर्या की इस आदत को बर्दाश्त करते हैं अभिषेक

10 साल बाद करण जौहर ने अभिषेक और श्वेता के सामने पुराने सवाल दोहराए थे. पहले अभिषेक से करण ने पूछा कि उन्हें ऐश्वर्या की क्या चीज पसंद है. जवाब में एक्टर ने कहा, कि वो मुझसे प्यार करती हैं. इसके बाद उनसे अगला सवाल पूछा गया कि उन्हें ऐश्वर्या की किस आदत को बर्दाश्त करना पड़ता है.

बिरसा टाइम्स देश का सर्वाधिक प्रसारित रविवारीय अखबार है। अपनी खोजपूर्ण तथा विश्लेषणात्मक खबरों के कारण बिरसा टाइम्स ने मीडिया– जगत में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई हैं। वर्ष 1980 से शुरू हुआ बिरसा टाइम्स का सफरनामा इसके पाठकों के निरंतर स्नेह और समर्थन के चलते आज भी उसी तेवर के साथ जारी हैं।

राँची और दिल्ली के साथ–साथ अब बिहार, छत्तीसगढ़ तथा उड़ीसा से प्रकाशित होने जा रहा है।

बिरसा टाइम्स

देश का सर्वाधिक प्रसारित नंबर–1 रविवारीय अखबार

जन सम्पर्क विभाग में विशाल भ्रष्टाचार का वट वृक्ष

"जब झारखंड और बिहार एक साथ था तब पांडे अपने पिता के साथ पटना में महावीर मंदिर में साफ–सफाई का काम करता था और पांडे जी के पिता मंदिर के सचिव आईपीएस स्वर्गीय आचार्य किशोर कुणाल जी के घर पर पूजा पाठ करते थे एवं महावीर मंदिर में भी काम करते थे और उसी समय अवधेश पांडे बिहार सरकार में दैनिक मजदूर में बहाली लेकर धीरे–धीरे आई इ एस पदाधिकारी के घर पर कप–प्लेट साफ कर प्रभारी निदेशक तक पहुंच गए ! श्री पांडे को हिंदी और अंग्रेजी में एक लाइन भी लिखने नहीं आता था ! इनका सारा का सारा फाइल का काम के नीचे वाले अधिकारी लिखते थे और इस काम में उप निदेशक श्री शालिनी वर्मा और वर्तमान में बोकारो के उपायुक्त श्रीअजय नाथ झा सारा फाइल का काम करते थे ! दोनों के दोनों से पांडे के कार्यालय से लेकर आवास तक 11:00 बजे रात तक गुरु मंत्र लेते रहते थे और इसमें अपनी कुशलता से श्री झा ने उपायुक्त पद पर पहुंच गए ! ऐसे पांडे कभी भी अपनी पत्नी को अपने आवास में नहीं रखते थे और पांडे के समय में सिर्फ सिर्फ उसके पिता ही रहते थे और श्री पांडे के समय में जनसंपर्क विभाग में भ्रष्टाचार का पेड़–पौधा लगन ! शुरू हुआ और अब वर्तमान में जनसंपर्क विभाग में भ्रष्टाचार का बड़ा बरगद का पेड़ ले चुका है।

बिरसा टाइम्स देश का विश्वास पत्रकारिता के उन मूल्यों में हैं जो आम आदमी की चिंताओं और सरोकारों को आवाज देते हैं। इसीलिए बिरसा टाइम्स लोगो के बीच इस लम्बी यात्रा में भी अपनी विश्वसनीयता बरकरार रखने में कामयाब रहा है। अपने खास कंटेंट, गंभीर राजनैतिक विश्लेषण, अलग अंदाज और सुन्दर छपाई के चलते बिरसा टाइम्स को सम्मान–जनक स्थान मिला हैं। शायद इसीलिए बिरसा टाइम्स के पाठक वे युवा और संवेदनशील लोग हैं जो न केवल देश के बारे में सोचते हैं बल्कि देश के लिए कुछ करने का जज्बा भी रखते हैं।

सत्य और निष्पक्ष समाचारों के लिए पढ़ें !

सम्पर्क सूत्र :–

aadivasiexpress@gmail.com
birsatimes@gmail.com

8084674042

6202611859
8084674042